राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पताः- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेलः-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उतरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात, संस्करण गुरुवार, 25 अगस्त 2022 वर्ष–5, अंक–208 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

पोखरण में हुआ घातक मिसाइल का सफल परीक्षण, चीन के खिलाफ होगी तैनात

जयपुर । राजस्थान के पोखरण फायरिंग रेंज में पिनाका एक्सटेंडेड रेंज रॉकेट का सफल परीक्षण किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक पोखरण फायरिंग रेंज में पिनाका एक्सटेंडेड रेंज रॉकेट का परीक्षण चल रहा है और इस दौरान कई सफल परीक्षण किये गए हैं। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित किया गया पिनाका रॉकेट एक आर्टिलरी मिसाइल सिस्टम है, जो बेहद सटीकता के साथ 75 किलोमीटर की दूरी तक हमला करने में सक्षम है। रिपोर्ट के अनुसार विभिन्न रेंजों के लिए कुल 24 ईपीआरएस रॉकेट दागे गए थे और सभी रॉकेटों ने परीक्षण के दौरान आवश्यक सटीकता और स्थिरता हासिल की है। ईपीआरएस 'पिनाका संस्करण' का उन्नत संस्करण है जो पिछले एक दशक से भारतीय सेना के साथ सेवा में है। जून 2021 में, डीआरडीओ ने ओडिशा के तट पर एकीकृत परीक्षण रेंज, चांदीपुर में एक मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर से स्वदेशी रूप से विकसित पिनाका रॉकेट के विस्तारित रेंज संस्करण का सफलतापूर्वक परीक्षण किया था। 25 एन्हांस्ड पिनाका रॉकेटों को विभिन्न रेंजों पर लक्ष्य के विरुद्ध एक के बाद एक त्वरित क्रम में दागा गया था। लॉन्च के दौरान मिसाइल अपने निर्धारित टारगेट पर गिरी थी।

भारत जोड़ो यात्रा कांग्रेस के लिए बनेगी संजीवनी

नई दिल्ली । कांग्रेस में फिलहाल अध्यक्ष के चुनाव को लेकर रार मची हुई है लेकिन पार्टी की नजर 2024 के लोकसभा चुनाव पर है। भारत जोड़ो यात्रा को पार्टी लोकसभा चुनाव से पहले बड़े जनसंपर्क अभियान के तौर पर देख रही है। यात्रा का मार्ग भी चुनाव को ध्यान में रखते हुए तय किया गया है। पार्टी को उत्तर के मुकाबले चुनाव में दक्षिणी राज्यों से ज्यादा उम्मीद है। यात्रा में तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना शामिल हैं। दरअसल, कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा सबसे ज्यादा समय दक्षिणी राज्यों में गुजारेगी। पूरी यात्रा के दौरान कुल 22 महत्वपूर्ण स्थान चुने गए हैं, इनमें से नौ स्थान दक्षिण में हैं। इसके साथ मध्य प्रदेश और राजस्थान में भी यात्रा काफी लंबा सफर तय करेगी। मध्य प्रदेश, राजस्थान और कर्नाटक में अगले साल विधानसभा चुनाव हैं। हालांकि, यह यात्रा गुजरात और हिमाचल प्रदेश से होकर नहीं गुजरेगी। दक्षिण भारत खासकर तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में लोकसभा की 129 सीट हैं। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस इनमें से सिर्फ 28 सीट मिली थी। जबकि भाजपा 29 सीत जीतने में सफल रही। भाजपा ने अकेले कर्नाटक में 25 सीट जीती थी। ऐसे में कर्नाटक में यात्रा पार्टी के लिए अहम है। क्योंकि कर्नाटक में अगले साल विधानसभा चुनाव भी हैं। इस मुहिम में पार्टी ने सामाजिक संगठनों को भी अपने साथ जोड़ा है। हालांकि यात्रा का समर्थन करने वाले कई संगठन यूपीए सरकार के खिलाफ अन्ना आंदोलन में शामिल रहे हैं। लेकिन इस मुद्दे पर वह साथ हैं। बता दें कि कांग्रेस की यह यात्रा ऐसे वक्त हो रही है जब पार्टी में संगठन चुनाव अंतिम दौर में हैं। पार्टी नेता और कार्यकर्ता राहुल गांधी को एक बार फिर अध्यक्ष पद संभालने की मांग कर रहे हैं।

पीएम मोदी ने एशिया के सबसे बड़े निजी अस्पताल का किया उद्घाटन

फरीदाबाद ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को हरियाणा के फरीदाबाद में एशिया के सबसे बड़े निजी मल्टी-स्पेशियलिटी अमृता अस्पताल के विशाल परिसर का उद्घाटन किया। आध्यात्मिक नेता माता अमृतानंदमयी देवी ने इसे स्थापित किया है, जिन्हें प्यार से अम्मा के नाम से जाना जाता है। राष्ट्रीय राजधानी के बाहरी इलाके फरीदाबाद में 130 एकड़ में बने इस अस्पताल का निर्माण अब अपने अंतिम चरण में है। इस अवसर पर संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि देश ने एक नई ऊर्जा के साथ आजादी के अमृत काल में प्रवेश किया है। हमारे इस अमृत काल में देश के सामूहिक प्रयास प्रतिष्ठित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश के सामूहिक विचार जाग्रत हो रहे हैं। मुझे खुशी है कि अमृत काल की इस बेला में मां अमृतानंदमयी के आशीर्वाद का अमृत भी देश को मिल रहा है। मोदी ने कहा फरीदाबाद में आरोग्य का इतना बड़ा संस्थान प्रतिष्ठित हो रहा है। यह अस्पताल इमारत और तकनीक के लिहाज़ से जितना बड़ा है उतना ही आध्यात्मिकता के लिहाज़ से आलोकिक है। मोदी ने कहा आयुर्वेद ने भारत की संस्कृति को अमर किया है। उन्होंने कहा कि आदर्शों की ऊर्जा फिर बलवती हो रही है। उन्होंने सेवा के इस महायज्ञ के लिए मां अम्मा का आभार जताया। उन्होंने कहा कि आरोग्य दान है, आरोग्य एक सेवा है। उन्होंने कहा कि भारत एक ऐसा राष्ट्र है, जहां, इलाज एक सेवा है, आरोग्य एक दान है। जहां आरोग्य आध्यात्म, दोनों एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। हमारे यहां आयुर्विज्ञान एक वेद है। हमने हमारी मेडिकल साइन्स को भी आयुर्वेद का नाम दिया है। हमारी कामना है कि हमें बस दुखियों की, रोगियों की पीड़ा दूर करने का सौभाग्य मिलता रहे। उद्घाटन समारोह में हरियाणा के राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय, मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला, केंद्रीय मंत्री व फरीदाबाद के सांसद कृष्ण पाल गुर्जर, अम्मा के नाम से प्रसिद्ध आध्यात्मिक गुरु माता अमृतानंदमयी सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस इस अस्पताल का प्रबंधन माता अमृतानन्दमयी मठ द्वारा किया जाएगा। हरियाणा के सीएम खट्टर ने कहा कि यह 2600 बिस्तरों वाला अस्पताल है। 500 बेड आईसीयू में होंगे। मुझे लगता है कि यह भारत का सबसे बड़ा अस्पताल है। उल्लेखनीय है कि इस अस्पताल के निर्माण में कुल 4,000 करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं। 2,600 बिस्तरों वाला अस्पताल लगभग एक करोड़ वर्ग फुट एरिया में फैला है। इसमें

एक फोर स्टार होटल, एक मेडिकल कॉलेज, एक नर्सिंग कॉलेज, स्वास्थ्य विज्ञान के लिए एक कॉलेज, एक पुनर्वास केंद्र, रोगियों के लिए एक हेलीपैड और कई अन्य सुविधाओं के साथ रोगियों के परिवार के लोगों के लिए 498 कमरों वाला गेस्टहाउस भी बन रहा है। पहले चरण में अस्पताल का लक्ष्य 550 बिस्तरों को लॉन्च करना है और फिर अगले 18 महीनों में इसे 750 में अपग्रेड करना है। 2027-29 तक अस्पताल 2,600 बिस्तरों के लक्ष्य को हासिल करने की कोशिश करेगा।

पेरुंबदुर स्मारक में पिता राजीव गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित भारत जोड़ो यात्रा शुरु करेंगे राहुल

नई दिल्ली ।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी 7 सितंबर को चेन्नई के पेरुंबदुर स्मारक के पास पिता राजीव गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करने वाले हैं। पिता को श्रद्धा सुमन अर्पित करने के बाद कांग्रेस नेता कन्याकुमारी में भारत जोड़ो यात्रा का शुभारंभ करने वाले हें। इस यात्रा को पार्टी की अब तक के सबसे बड़े अभियान के तौर पर प्रस्तुत किया जा रहा है। कांग्रेस ने यात्रा के लिए लोगो, टैगलाइन और पर्चे व वेबसाइट जारी किए हैं। राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली इस पदयात्रा के लिए 'मिले कदम, जुड़े वतन' नारा दिया गया है। पदयात्रा 7 सितंबर को कन्याकुमारी से शुरू होकर जम्मू-कश्मीर में समाप्त होगी। तमिलनाडु में यात्रा 7 से 10 सितंबर तक चार दिन रहेगी। इसके बाद अगले दिन यात्रा केरल से आगे बढ़ेगी. कर्नाटक में 21 दिनों तक चलने वाली कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा राज्य का करीब 511 किमी क्षेत्र कवर करेगी। यह यात्रा राज्य के आठ जिलों में पहुंचेगी।रोजाना तय की जाने वाली दूरी स्थानीय परिस्थितियों और स्थानीय स्तर पर किए जाने वाले दौरों के आधार पर तय की जाएगी। 12 मार्च तक करीब 150 दिन चलने वाली यात्रा 12 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों को कवर करेगी। पार्टी के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने यात्रा के बारे में बताया कि भारत जोड़ो यात्रा के जरिए देश भर का करीब 3500 किमी का सफर तय होगा। पार्टी की राष्ट्रव्यापी यात्रा के मकसद को ध्यान में रखकर श्रीपेरंबदूर में उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए काम किया जा रहा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को एक सम्मेलन में सिविल सोसाइटी के सदस्यों के साथ बैठक की, जहां कन्याकुमारी से कश्मीर तक पार्टी की आगामी 'भारत जोड़ो यात्रा' की योजनाओं को साझा किया गया और उन पर विचार-विमर्श किया गया. 'भारत जोड़ी यात्रा कॉन्क्लेव' में अरुणा रॉय, सैयदा हमीद, शरद बिहार, पीवी राजगोपाल, बेजवाड़ा विल्सन, देवनूरा महादेवा, जीएन देवी और योगेंद्र यादव जैसे 150 से अधिक नागरिक समाज संगठनों, पेशेवरों और यूनियनों ने भाग लिया।

मोदी सरकार ने मानी सिख समुदाय की मांग, 6 माह में बनकर तैयार होगा दर्शन स्थल'

नई दिल्ली । पाकिस्तान में अंतरराष्ट्रीय सीमा के करीब स्थित श्री करतारपुर साहिब गुरुद्वारा के लिए एक सुविधाजनक 'दर्शन स्थल' बनाने की सिख समुदाय की मांग को मानकर केंद्र ने 6 माह के भीतर भारत-पाकिस्तान सीमा पर भारतीय हिस्से में एक नया अत्याधुनिक 'दर्शन स्थल' बनाने की योजना पर काम करना शुरू कर दिया है। अब मौजूदा ढांचे को पूरी तरह बदल दिया जाएगा, जिससे तीर्थयात्री पिछले लंबे समय से गुरु नानक के अंतिम विश्राम स्थल को दूरबीन से देखते रहे हैं। हालांकि करतारपुर साहिब कॉरिडोर से अब भारत के तीर्थयात्री पाकिस्तान में इस पवित्र गुरुद्वारे की यात्रा कर सकते हैं। लेकिन उन लोगों के लिए एक नए दर्शन स्थल की मांग लंबे समय से थी, जो पासपोर्ट की कमी जैसे दूसरे कारणों से सीमा के पार पाकिस्तान नहीं जा सकते थे। नया दर्शन स्थल दो मंजिला का होगा। जिसमें भारत की सीमा से पहली मंजिल से करतारपुर साहिब गुरुद्वारे का विहंगम दृश्य देखने के लिए 8.5 मीटर ऊंची इमारत होगी। 435 वर्ग मीटर में फैली यह गैलरी गुरदासपुर जिले के डेरा बाबा नानक में पैसेंजर टर्मिनल बिल्डिंग में बनेगी। जहां से तीर्थयात्री करतारपुर साहिब गुरुद्वारे के दर्शन के लिए पाकिस्तान जाने के लिए गलियारे से निकलते हैं।

पीएम मोदी 27 अगस्त से 2 दिवसीय दौरे पर जाएंगे गुजरात

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 27 अगस्त से गुजरात की अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान कई परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे और 2001 के गुजरात भूकंप के पीड़ितों के लिए बने स्मारक का उद्घाटन करेंगे। सरकार के अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। राज्य सरकार के अधिकारियों द्वारा साझा किए गए अस्थायी कार्यक्रम के अनुसार, पीएम मोदी 27 अगस्त को अहमदाबाद में साबरमती रिवरफ्रंट पर एक कार्यक्रम को संबोधित करके अपनी गुजरात यात्रा की शुरुआत करेंगे। इस कार्यक्रम में सैकड़ों बुनकर चरखा बुनेंगे। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री 28 अगस्त को कच्छ जिले का दौरा करेंगे, जहां उनका या तो उद्घाटन या ÷स्मृति वन÷ सहित लगभग एक दर्जन परियोजनाओं का शिलान्यास करने का कार्यक्रम है। %स्मृति वन% कच्छ जिले के भुज शहर के पास भुजियो पहाड़ी के ऊपर बनाया गया एक स्मारक है, जो 26 जनवरी, 2001 को गुजरात भूकंप में मारे गए 13,000 से अधिक लोगों को श्रद्धांजलि के रूप में है। शक्तिशाली भूकंप में मारे गए लोगों में कच्छ जिले के कई लोग, विशेष रूप से भुज के लोग शामिल थे।

काशी, अयोध्या के बाद मथुरा के विकास में जुटी योगी सरकार, जमुना जी तक विशाल कॉरिडोर बनेगा

मथुरा ।

उत्तरप्रदेश के योगी सरकार लगातार धार्मिक नगरों का विकास करने में जुटी हुई है। हिंदू आस्था के अनुसार काशी, अयोध्या और मथुरा की मान्यता काफी ज्यादा है। इसकारण तीनों ही शहरों के विकास को लेकर योगी सरकार ने लगातार प्रतिबद्धता दिखाई है। अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण हो रहा है। इसके साथ ही आसपास के इलाकों को पूरी तरह से विकसित किया जा रहा है। वहीं वाराणसी का रंग रूप पूरी तरह से बदला जा चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल वहां काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का उद्घाटन भी किया था। अब बारी मथुरा के विकास की हो रही है। योगी सरकार के मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने कहा है कि कैबिनेट की बैठक में मथुरा के विकास पर चर्चा हो चुकी है। यहां विशाल कॉरिडोर बनेगा। उन्होंने कहा कि यहां से जमुना जी तक विशाल कॉरिडोर होगा जिसकी वजह से एक साथ 60 से 70 हजार श्रद्धालु दर्शन कर सकते हैं। कॉरिडोर के निर्माण में 250 करोड़ से ज्यादा की लागत आएगी। योगी लगातार मथुरा के विकास के लिए प्रतिबद्धता दिखा रहे है। मंत्री लक्ष्मी नारायण ने कहा कि जन्माष्टमी के दिन बांके बिहारी मंदिर में हुई घटना की उच्च स्तरीय जांच होगी। आगे इस तरह की घटना ना हो, इस लेकर उपाय किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पूरी घटना की रिपोर्ट वह खुद मुख्यमंत्री के समक्ष रखने वाले हैं। उन्होंने कहा कि जन्माष्टमी पर अत्यधिक भीड़ होने से इस तरह के घटना हुई।

गडकरी ने खराब सड़क निर्माण पर किया कटाक्ष- बार-बार मरम्मत से नेता, ठेकेदार रहते हैं खुश

- गडकरी ने कहा, नई तकनीकों और सामग्रियों को अपनाकर टिकाऊ सड़कों के निर्माण के लिए समाधान खोजने का समय आ गया है

नई दिल्ली ।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने निर्माण की खराब गुणवत्ता के कारण सड़कों की बार-बार होने वाली मेंटेनन्स को लेकर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि बार-बार रखरखाव से राजनेताओं, अधिकारियों और ठेकेदारों सहित सभी को बहुत संतुष्टि मिलती है, जिसका कारण सभी को पता है। सूत्रों के मुताबिक फिक्की द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में पहुंचे गडकरी ने कहा कि रखरखाव एक ऐसा विषय है, जो राजनेताओं से लेकर अधिकारियों और ठेकेदारों तक को खुश करता है, बार-बार रखरखाव का काम बहुत संतुष्टि लाता है, हालांकि इसमें जनता ही हारती है, टिकाऊ सड़कों के लिए निर्णय लेने पर ठेकेदार परेशान हो जाते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि वे अपना व्यवसाय खो देंगे। साथ ही निर्माण के बाद सड़कों को बार-बार खोदना शहरों में एक सामान्य बात है। मंत्री ने आगे कहा कि नई तकनीकों और सामग्रियों को अपनाकर टिकाऊ और रखरखाव मुक्त सड़कों के निर्माण के लिए समाधान खोजने का समय आ गया है। सरफेसिंग के लिए 8 इंच सफेद टॉपिंग और रबरयुक्त बिटुमेन का उपयोग करके सड़कें बनाने की योजना है। ऐसी सड़कें 25 साल तक टिकाऊ हो सकती हैं और उन्हें शायद ही किसी रखरखाव की आवश्यकता होगी। वहीं एक अन्य कार्यक्रम में गडकरी ने यह भी बताया कि कैसे एक बार उन्होंने अधिकारियों को परियोजना स्थलों पर अपना नाम डालने का सुझाव दिया था, ताकि लोगों को पता चल सके कि काम की गुणवत्ता के लिए कौन जिम्मेदार है। गडकरी ने कहा

कि एक बार मैंने अधिकारियों को सुझाव दिया था कि उनके नाम प्रदर्शित किए जाने चाहिए। लोग मेरे पुतले ही क्यों जलाएं? लोगों को यह भी पता होना चाहिए कि कौन जिम्मेदार है। गडकरी ने यह भी कहा कि उन्होंने वैकल्पिक ईंधन के साथ पेट्रोल और डीजल से छुटकारा पाने का लक्ष्य रखा है।

हमें पार्टी के भीतर कुछ आंतरिक परिवर्तन लाना होगा : आनंद शर्मा

शिमला ।

हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा ने पार्टी की राज्य इकाई की संचालन समिति के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि, पार्टी की ओर से उन्हें मनाने की भी कोशिश की गई है। इस बीच बुधवार को आनंद शर्मा ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। आनंद शर्मा ने साफ तौर पर कहा कि हमें पार्टी के भीतर कुछ आंतरिक परिवर्तन लाना होगा। इसके साथ ही हमें पार्टी को मजबूत करने के लिए एकजुट होना होगा। शर्मा ने कहा कि यदि हम कुछ आंतरिक परिवर्तन लाते हैं, तब कांग्रेस का नवीनीकरण और पुनरुद्धार होगा। ए ग्रुप या बी ग्रुप होने से कांग्रेस पुनर्जीवित नहीं हो सकती, कांग्रेस को सामूहिक रूप से पुनर्जीवित करना होगा। उन्होंने साफ किया कि जहां भी जरूरत होगी मैं कांग्रेस पार्टी के लिए प्रचार करूंगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि कांग्रेस को गुटबाजी से बाहर निकलकर एकजुट रहने की जरूरत है। हम सब कांग्रेसी हैं। महत्वपूर्ण यह है कि कांग्रेस पार्टी मजबूत रहे। सूत्रों के मुताबिक, समझा जा रहा है कि शर्मा ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को लिखे पत्र में कहा था कि उनके स्वाभिमान के साथ 'समझौता नहीं किया जा सकता' और उन्होंने पार्टी की हिमाचल इकाई की संचालन समिति के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। दूसरी ओर आनंद शर्मा के इस्तीफा देने के बाद उन्हें मनाने की कोशिश कर रही है और इसी क्रम में पार्टी के प्रदेश प्रभारी राजीव शुक्ला ने सोमवार को उनसे मुलाकात की थी। आनंद शर्मा के इस्तीफे को लेकर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने इस विपक्षी दल के संगठन पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा कि शर्मा का इस्तीफा बताता है कि कांग्रेस अंदरूनी तौर पर जर्जर हो चुकी है। सिंधिया ने कहा कि मैं भाजपा का आम कार्यकर्ता हूं और कांग्रेस की मौजूदा स्थिति पर हम जितना भी कहें, वह कम होगा। यह (शर्मा का इस्तीफा) दर्शाता है कि कांग्रेस अंदरूनी तौर पर किस तरह जर्जर हो चुकी है।

राहुल गांधी फिर से अध्यक्ष बनने को नहीं तैयार, सोनिया के सामने खड़ा हुआ धर्मसंकट

नई दिल्ली ।

कांग्रेस का नया अध्यक्ष कौन होगा, इस लेकर कांग्रेस पार्टी में बैठकों और मंथन का दौर चल रहा है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी दुबारा इस पद को संभालने में बिल्कुल भी दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं। सोनिया गांधी की कई बार कोशिश के बाद भी राहुल अपनी बात पर अड़े हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, ऐसी परिस्थिति में सोनिया गांधी सीनियर नेता और राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत को पार्टी की कमान सौंपना चाहती हैं। लेकिन, गहलोत ने कांग्रेस अध्यक्ष पद संभालने ने मना कर दिया है। गहलोत सहित कई कांग्रेस नेताओं ने सोनिया गांधी को तर्क दिया कि गांधी परिवार के अलावा और कोई पार्टी को बांध के नहीं रख सकता। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी के आला नेताओं ने सोनिया गांधी को सलाह दी है, कि अगर राहुल गांधी नहीं मानें, तब सोनिया गांधी ही 2024 तक कांग्रेस की अध्यक्ष बनी रहें। या फिर प्रियंका गांधी को पार्टी की कमान दी जा सकती है। गहलोत के अलावा मुकुल वासनिक, वेणुगोपाल, सैलजा, मलिकार्जुन खड़गे, भूपेश बघेल चर्चा में बने हुए हैं। इस बीच सोनिया अपने रूटीन चेकअप के लिए राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के साथ विदेश जा रही हैं। इसके बाद अध्यक्ष पद का मामला लटक गया है। बताया जा रहा हैं कि सोनिया गांधी ने भी अपने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर फिर से पार्टी अध्यक्ष की कुर्सी संभालने से इनकार कर दिया है। सूत्रों ने कहा कि सोनिया गांधी के इस फैसले ने सभी का ध्यान अब प्रियंका गांधी वाड्रा पर केंद्रित कर दिया है, क्योंकि 136 साल पुराने संगठन के अधिकांश सदस्य अभी भी यही चाहते हैं कि पार्टी की अगुआई गांधी परिवार का ही कोई सदस्य करे, लेकिन इस साल के उत्तर प्रदेश चुनावों में प्रियंका का रिकॉर्ड बेहद खराब रहा और यह कई लोगों के दिमाग में है। सूत्रों से जानकारी मिली कि राहुल गांधी को इस बात के लिए काफी प्रेरित किया गया, कि वे कांग्रेस अध्यक्ष पद की भूमिका स्वीकार कर लें, लेकिन कोई भी कोशिश सफल नहीं हो सकी। 2019 के आम चुनाव में हार के बाद इस्तीफा देने के बाद से पार्टी सदस्यों की अपील को ठुकराते हुए, राहुल अपनी अनिच्छा पर अडिग रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

कांग्रेस की रेस

बहरहाल, इतना तो तय है कि कांग्रेस पार्टी अपने अंतर्विरोधों से उबर नहीं पा रही है। पिछले कई राज्यों के विधानसभा चुनावों में करारी शिकस्त के बाद उम्मीद थी कि पार्टी वक्त की चाल में ढल कर संगठन में नई ऊर्जा का संचार करेगी, लेकिन ऐसा हो नहीं पाया।

कांग्रेस पार्टी के पूर्णकालिक अध्यक्ष की प्रक्रिया आरंभ होने के बीच हिमाचल प्रदेश में आसन्न विधानसभा चुनाव से पूर्व पार्टी के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा ने राज्य की संचालन समिति के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। पार्टी द्वारा पद दिये जाने पर भी पूरे अधिकार व सम्मान न दिये जाने से आनंद शर्मा आहत थे। उन्होंने सोनिया गांधी को लिखे पत्र में कहा भी कि स्वाभिमान से समझौता नहीं किया जा सकता। इससे पहले जी-23 समूह के अन्य दिग्गज नेता गुलाम नबी आजाद ने भी जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। कहना मुश्किल है कि वे पार्टी में पर्याप्त अधिकार न दिये जाने से क्षुब्ध हैं या फिर बेहद लंबे अनुभव के आधार पर जनता का मूड भांप रहे हैं। बहरहाल, इतना तो तय है कि कांग्रेस पार्टी अपने अंतर्विरोधों से उबर नहीं पा रही है। पिछले कई राज्यों के विधानसभा चुनावों में करारी शिकस्त के बाद उम्मीद थी कि पार्टी वक्त की चाल में ढल कर संगठन में नई ऊर्जा का संचार करेगी, लेकिन ऐसा हो नहीं पाया। बहरहाल, रविवार से पार्टी के पूर्णकालिक अध्यक्ष चुनने की प्रक्रिया आरंभ हो गई। कहा जा रहा है कि बीस सितंबर तक पार्टी को पूर्णकालिक अध्यक्ष मिल जायेगा। अब देखना होगा कि यह अध्यक्ष गांधी परिवार से ही होगा या दौड़ में शामिल कुछ लोगों को भी मौका मिल सकेगा। निस्संदेह, ऐसे वक्त में जब बड़े बहुमत से सत्ता में आई केंद्र सरकार निरंकुश व्यवहार कर रही है, राहुल गांधी विपक्ष की आवाज बनकर उभरे हैं। देश की आंतरिक व बाह्य नीतियों पर जितने साहस व मुखरता से राहुल गांधी अपनी बात रखते हैं, उससे लगता है कि वे जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका निभा रहे हैं। वह भी तब जब सरकारी जांच एजेंसियों के जरिये राहुल गांधी व सोनिया गांधी से प्रत्यक्ष तौर पर घंटों पूछताछ हो चुकी है। यह प्रक्रिया अभी जारी है। निस्संदेह, राहुल गांधी निर्भीक व निडर होकर देश के संवेदनशील व जनसरोकारों से जुड़े मुद्दों पर अपनी बात रखते हैं। वे मुद्दों पर विरोध व असहमति जताते हैं। लेकिन विपक्षी नेता की भूमिका में उनकी निरंतरता की कमी खलती है। अकसर सुर्खियों में रहता है कि वे अचानक किसी दूसरे देश में पारिवारिक कारणों से या फिर सैर-सपाटे पर निकले हैं। जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका निभाने वाले नेता से उम्मीद की जाती है कि राजनैतिक व्यवहार में निरंतरता रहे। इस भूमिका के निर्वहन के लिये पारिवारिक व निजी कार्यों को पार्श्व में रखकर पार्टी व विपक्ष का मनोबल बढ़ाना प्राथमिक काम होना चाहिए। इससे ही विपक्षी नेता की विश्वसनीयता को गंभीरता से लिया जाता है। ऐसे वक्त में जब कई क्षेत्रीय राजनीतिक दल भाजपा की ए व बी टीम की भूमिका में हैं और कुछ दलों की राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं हिलोरे ले रही हैं तथा कुछ विपक्ष सरकारी जांच एजेंसियों के दबाव में है, राहुल गांधी से दमदार विपक्षी नेतृत्व की उम्मीद की जा रही हैं। पार्टी के पूर्णकालिक अध्यक्ष को लेकर उनकी 'न' व 'हां' से कार्यकर्ताओं में जीत का जज्बा पैदा नहीं हो पाया। राजनीतिक पंडित तो यहां तक कहते हैं कि राहुल गांधी की यह ऊहापोह की राजनीतिक शैली केंद्र में सत्तारूढ़ राजग सरकार को रास आती है। जिससे न केवल राजग अपने राजनीतिक अभियान को गति दे पा रहा है, बल्कि वहीं दूसरी ओर मजबूत विपक्ष को उभरने का मौका भी नहीं दे रहा है। बहरहाल, कांग्रेस अपने आंतरिक द्वंद्व से उबर नहीं पा रही है। लगातार लगने वाले झटकों व कई दिग्गजों के पार्टी छोड़ने के बाद भी पार्टी की रीति-नीतियों में बड़ा बदलाव नहीं आया। इसके बावजूद कि पार्टी के दिग्गजों का एक समूह लगातार संगठन में रहकर पार्टी में निरंतर सुधार व बदलाव की बात करता रहा है। ऐसे ही पार्टी के दिग्गज मुखर नेता कपिल सिब्बल पार्टी छोड़ चुके हैं।

कार्टून

अपनो के निशाने पर अशोक गहलोत

(लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा)

लोगों का मानना है कि दलित छात्र की मौत पर गहलोत सरकार ने मुआवजा देने में भी भेदभाव बरत रही है। इसी को लेकर बारां जिले के अटरू से कांग्रेस के विधायक पानाचंद मेघवाल ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को अपना विधायक पद से इस्तीफा देने का पत्र भी भेज दिया है। पानाचंद मेघवाल ने आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री गहलोत ने जहां उदयपुर के मृतक कन्हैयालाल टेलर के दो पुत्रों को सरकारी नौकरी दी है तथा उनके परिवार को 50 लाख रूपये की आर्थिक सहायता प्रदान की है। वही जालौर के दलित छात्र की मौत पर मात्र पांच लाख रूपये ही सहायता के दिए हैं जो सरासर भेदभाव है।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत इन दिनों अपनों के ही निशाने पर आ रहे हैं। राजस्थान के जालोर जिले के सुराणा गांव में एक नौ वर्ष के दलित छात्र इंद्र मेघवाल की एक शिक्षक द्वारा पिटाई करने से हुई मौत को लेकर राजस्थान की राजनीति में भूचाल आया हुआ है। विपक्षी दलों से अधिक कांग्रेस के नेता गहलोत पर निशाना साध रहे हैं। लोगों का मानना है कि दलित छात्र की मौत पर गहलोत सरकार ने मुआवजा देने में भी भेदभाव बरत रही है। इसी को लेकर बारां जिले के अटरू से कांग्रेस के विधायक पानाचंद मेघवाल ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को अपना विधायक पद से इस्तीफा देने का पत्र भी भेज दिया है। पानाचंद मेघवाल ने आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री गहलोत ने जहां उदयपुर के मृतक कन्हैयालाल टेलर के दो पुत्रों को सरकारी नौकरी दी है तथा उनके परिवार को 50 लाख रूपये की आर्थिक सहायता प्रदान की है। वही जालौर के दलित छात्र की मौत पर मात्र पांच लाख रूपये ही सहायता के दिए हैं जो सरासर भेदभाव है। ऐसी घटना से मैं बहुत दुखी हूं और अपने विधायक पद से इस्तीफा देना चाहता हूं। कांग्रेस विधायक और राजस्थान अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष खिलाड़ी लाल बैरवा ने भी गहलोत सरकार पर जमकर निशाना साधा है। बैरवा ने कहा कि प्रदेश में लगातार दलित समुदाय पर अत्याचार हो रहे हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री को चर्चा के लिए एक दिन का विशेष विधानसभा सत्र बुलाना चाहिए। बैरवा ने सरकार की ओर से मृतक छात्र के परिजनों को दी सहायता राशि पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि पांच लाख देना कहां का न्याय है। उन्होंने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से परिजनों को 50 लाख रूपये का मुआवजा और मृतक के परिवार से एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी देने की मांग की है। घटना के बाद जालौर जिले के सुराणा गांव पहुंचे प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सचिन पायलट ने भी अपनी ही सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मृतक दलित छात्र का शव घर में पड़ा था और पुलिस प्रशासन ने लाठीचार्ज कर दिया। इस मामले में सरकार ने अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की है। उन्होंने सरकार से सवाल किया कि आजादी के 75 साल पूरे हो गए हैं। आज भी जिस तरह से जातिगत भेदभाव हो रहा है और यह घटना हुई है। वह कहीं ना कहीं बड़े सवाल खड़े करती है। पायलट ने कहा कि मृतक छात्र का परिवार खौफ में जी रहा है। जिस तरह से मासूम का शव दफनाने के दौरान पुलिस ने परिवार के लोगों पर लाठीचार्ज किया और उनके दामाद को गिरफ्तार किया यह दुर्भाग्यपूर्ण है। कम से कम इस मामले में तो सरकार को कार्यवाही करनी चाहिए थी। पायलट ने कहा कि परिवार के लोग एसडीएम समेत पुलिस अधिकारियों का नाम लेकर अपनी पीड़ा बयां कर रहे हैं। पायलट ने अपनी सरकार की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि जब तक कानून का भय नहीं रहेगा तो इस तरह की घटनाएं होती रहेगी। जालौर की घटना पर पूर्व लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार ने भी गहलोत सरकार को घेरते हुए कहा कि आज भी आजादी के 75 साल बाद भी जाति व्यवस्था हमारी सबसे बड़ी दुश्मन बनी हुई है। केंद्रीय मंत्री व भाजपा नेता गजेंद्र सिंह शेखावत ने भी जालौर प्रकरण को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सरकार की कानून व्यवस्था को कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि गहलोत सरकार के दौरान राजस्थान अपराधों के मामले में पूरे देश में सिरमौर बन चुका है। अपराधियों को खुलेआम सरकार के नेताओं, अधिकारियों का संरक्षण प्राप्त रहता है। ऐसे में आम लोगों का जीना मुहाल हो गया है। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले भी घटनास्थल पर पहुंचकर पीड़ित के परिजनों से मिलकर गहलोत सरकार को अपराधों की रोकथाम की दिशा में शीघ्र कार्यवाही करने की बात कही। नागौर सांसद व राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के अध्यक्ष हनुमान बेनीवाल भी जालौर में हुई घटना को लेकर पीड़ित के परिजनों से मुलाकात कर पूरे प्रकरण की सीबीआई से जांच की मांग की। उन्होंने कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक सहित सभी अधिकारियों को तत्काल हटाने की मांग की। जालौर की घटना के बाद कांग्रेसी खेमे में चिंता व्याप्त हो रही है। जालौर की घटना से राजस्थान के दलितों में गहलोत सरकार के प्रति गहरी नाराजगी देखी जा रही है। दलित नेताओं का मानना है कि सरकार ऊंची जातियों की तुलना में दलितों को मुआवजा देने में भी भेदभाव बरत रही है। इस घटना ने राजस्थान सरकार की नींद उड़ा दी है। कांग्रेस के ही नेता अपनी सरकार के खिलाफ बयानबाजी करने लगे हैं। जो सरकार व कांग्रेस पार्टी के लिए बड़ी चिंता की बात है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सफाई देते हुये कहा कि जालोर में दलित छात्र की मौत के मामले की जांच प्राथमिकता से की जा रही। उसी समाज के एडीजी को भेजकर घटना की हकीकत तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। कुछ लोगों को भ्रामक खबरें फैलाने में मजा आता है। लेकिन हमारा काम है सत्य के रास्ते पर चल कर पीड़ित, शोषित, दलित को न्याय दिलाना। ऐसी घटना मानवता पर कलंक है। हालांकि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने डैमेज कंट्रोल करने के लिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के साथ चार मंत्रियों को भी घटनास्थल पर भेज कर परिजनों पीड़ित के परिजनों से मिलकर हर संभव मदद का भरोसा दिलाया था। मगर उसके उपरांत भी दलितों के नजर में सरकार अपनी जिम्मेदारी निभाने में विफल रही है। राजस्थान में कभी अलवर, कभी जालोर, कभी पाली तो कभी आदिवासी क्षेत्रों में हो रही इस तरह की घटनाओं ने सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया है। दलित व आदिवासी कांग्रेस का मूल वोटर रहा है। ऐसे में इस वर्ग की नाराजगी कांग्रेस को आने वाले समय में कहीं भारी न पड़ जाए इसी चिंता में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की रातों की नींद उड़ रही है। मुख्यमंत्री गहलोत चाहते हैं कि जल्दी से जल्दी इस घटना का पटाक्षेप हो जाए ताकि दलित वर्ग में सरकार के प्रति फली नाराजगी को दूर किया जा सके। मगर प्रदेश में लगातार होने वाली घटनाओं से दलित वर्ग का गहलोत सरकार से मोहभंग होता नजर आ रहा है। ऊपर से अपनी ही पार्टी के नेताओं की बयानबाजी से भी गहलोत खासे दबाव में नजर आ रहे हैं। हालांकि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अपनी किसी खिसियाहट को छुपाने के लिए लगातार ऐसे बयान दे रहें हैं जिससे वह लगातार सुर्खियों में बने रहे। मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा कि वे स्थाई जादूगर हैं और प्रदेश में उनका जादू है। गहलोत ने कहा कि मेरा जादू अलग तरह का है। इतनी बार जनता ने मौका दिया है। मेरी जिंदगी का मकसद गरीबों के आंसू पोंछना है। उन्होंने उम्मीद जताते हुए कहा कि जनता अगले विधानसभा चुनाव में उनकी सरकार को फिर से मौका देगी। माना जा रहा कि मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कांग्रेस के संदर्भ में किए गए 'काला जादू' वाले कमेंट को लेकर यह बयान दिया। गहलोत ने कहा कि हम तो बचपन से जादू-टोने के खिलाफ रहे हैं। जादू (मैजिक) अलग चीज है जिस पर मेरा विश्वास है। उन्होंने कहा कि मैं चाहता हूं कि जनता इस बार फिर हमें जिताए। भाजपा पर निशाना साधते गहलोत ने कहा कि बीजेपी ने देश को हिन्दू राष्ट्र बनाने का प्रयास किया तो भारत का हश्र भी पाकिस्तान जैसा होगा।

धर्म

निर्विकल्प

आचार्य रजनीश ओशो

बहुत सरल है निर्विकल्प दशा को उपलब्ध करना। अत्यंत सरल, उससे सरल कोई बात ही नहीं है, लेकिन ये जो तीन बातें मैंने पहली कही, ये बड़ी कठिन हैं। और इन तीन को जो नहीं कर पाता वह उस अत्यंत सरल बात को भी नहीं कर पाता। वह चौथी सीढ़ी है। इन तीन को पार करके ही उसे पार किया जा सकता है। वह तो बहुत सरल है। कठिनाई है इन तीन बातों की- विश्वास को, अनुकरण को, आदर्श को त्यागने में बड़ी कठिन, बड़ा आर्डुअस, बड़ा श्रम है, लेकिन चौथी बात बहुत सरल है। जो इन तीन बातों को कर ले, चौथी बात करनी ही नहीं पड़ती, बड़ी सरलता से हो जाती है। उस सूत्र के संबंध में अंत में थोड़ी सी बात आपको समझाऊं, लेकिन इन तीन को किए बिना वह नहीं हो सकेगा। जैसे कोई हमसे पूछे कि हम फूल कैसे पैदा करें? मैं कहूंगा, फूल पैदा करना बड़ी सरल बात है। फूल पैदा करने में कुछ करना ही नहीं पड़ता, लेकिन बीज लगाने में बड़ी मदद करनी पड़ती है। पानी सींचने में, खाद डालने में बड़ी मेहनत करनी पड़ती है। पौधे की सम्हाल करने में, बागुड़ लगाने में बहुत श्रम उठाना पड़ता है। फिर जब सब संभल जाती है बात, बीज अंकुर बन जाता, खाद मिल जाती, पानी मिल जाता, चारों तरफ सुरक्षा हो जाती है पौधे की, तो फूल तो अपने आप आ जाते हैं, लेकिन आप कहें कि हमको तो सिर्फ फूल लाना है, तब मामला बहुत कठिन हो जाता है। आप कहें कि यह तो सब ठीक है, विश्वास हमें करने दो, आदर्श हमें मानने दो, अनुकरण हमें करने दो, जैन, हिंदू, मुसलमान हमें बना रहने दो, बाकी चित्त शांत करने का, शून्य करने का कोई रास्ता हो तो बता दें। तो आप ऐसी बात कर रहे हैं कि पौधा तो हम लगाएंगे नहीं, बीज हम डालेंगे नहीं, पानी हम सींचेंगे नहीं, यह तो छोड़ो, ये बातें छोड़ दो, हमें दो इतना बता दो कि फूल कैसे आते हैं? फिर फूल नहीं आते। चित्त की निर्विकल्प दशा, शून्य दशा, ध्यान दशा बहुत सरल है, लेकिन सीढ़ियां जो उस तक पहुंचाती हैं वे बड़ी कठिन मालूम होती हैं। और वे भी कठिन इसलिए नहीं हैं कि वे कठिन हैं, आप में साहस नहीं है जरा सा भी, इसलिए वे कठिन हो गई हैं। साहस व्यक्ति को युवा बनाता है। छोड़ने का हममें जरा भी साहस नहीं है। इसलिए हम अटके खड़े रह जाते हैं। और व्यर्थ बातें भी छोड़ने का साहस नहीं है, तब तो बहुत कठिनाई हो जाती है। शून्यता पा लेनी बहुत सरल है, साहस चाहिए।

विचार मंथन

आईएस का खतरा

लेखक-सिद्धार्थ शंकर

रूसी सुरक्षा एजेंसी ने आतंकी संगठन आईएस (इस्लामिक संगठन) के एक आत्मघाती हमलावर को पकड़ा है। वह भारत में आत्मघाती हमले की फिराक में था। एफएसबी के अधिकारियों ने बताया कि यह फिदायीन मध्य एशिया के एक देश का मूल निवासी है। पूछताछ में इस आतंकी ने कबूला है कि उसने भारत के एक शीर्ष नेता को निशाना बनाने की साजिश रची थी। उसने यह भी बताया कि आईएस भारत में हमले की साजिश रच रहा है। वह अप्रैल से जून तक तुर्की में था और उसने वहां आतंकवाद की ट्रेनिंग ली थी। उसे पहले रूस भेजा गया और वहां से भारत भेजने की तैयारी थी। रूसी सुरक्षा एजेंसी ने बताया कि इस आतंकी ने भारत के सत्तारूढ़ दल (भाजपा) के एक नेता की हत्या के लिए खुद को विस्फोटक से उड़ाने की योजना बनाई थी। उसे आईएस के एक शीर्ष नेता ने सुसाइड बॉमर के रूप में तुर्की में अपने संगठन में भर्ती किया था। हाल ही में भारत की खुफिया एजेंसियों ने कहा था कि पाकिस्तीनी खुफिया एजेंसी ने चंडीगढ़ और मोहाली में आतंकी हमले की साजिश रची है। इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर में भी आतंकी संगठन टीआरएफ द्वारा आतंकी हमले का अलर्ट जारी किया है। इस्लामिक स्टेट और उसके समर्थक सभी संगठनों व सहयोगियों को केंद्र सरकार ने भारत में प्रतिबंधित आतंकी संगठन घोषित कर रखा है। आईएस को गैर कानूनी गतिविधि निवारक कानून की धारा 1967 की प्रथम अनसूची के तहत प्रतिबंधित किया गया है। गृह मंत्रालय के अनुसार आईएस इंटरनेट आधारित विभिन्न सोशल मीडिया मंचों के जरिए अपनी विचारधारा का प्रचार प्रसार कर रहा है। इसलिए सुरक्षा एजेंसियां इन पर लगातार नजर रख रही है। आईएसआईएस प्रेरित आतंकी संगठन भारत के लिए बड़ा खतरा बन रहे हैं। कट्टरपंथ की आग सुलगाकर अलकायदा और आईएस गठजोड़ से भारत के अलग-अलग हिस्सों में आतंकी हमलों की योजना बनाई गई है। एजेंसियों का मानना है कि अब तक जितने भी मामले पकड़ में आए हैं उनमें एक बात साझा है कि सोशल मीडिया के जरिए कट्टरपंथ का जहर फैलाकर युवाओं को अलकायदा और आईएस प्रेरित संगठनों से जोड़ा जा रहा है। अलकायदा और आईएस नेटवर्क कई राज्यों में फैला हुआ है। पश्चिम बंगाल, केरल और कश्मीर में इनके सबसे ज्यादा स्लीपर सेल हैं। यूपी, बिहार और हरियाणा में भी इनके नेटवर्क की सूचना एजेंसियों के पास है। आंध्र प्रदेश, केरल, कर्नाटक, तेलंगाना, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, बिहार, यूपी, मध्यप्रदेश, जम्मू कश्मीर के अलावा हरियाणा के मेवात इलाके में स्लीपर सेल मौजूद हैं। कहीं पर अलकायदा है तो कहीं आईएस प्रेरित आतंकी संगठन की मौजूदगी है। एजेंसियों के मुताबिक इनकी जड़ में उग्र कट्टरपंथ है। आतंकवाद पर संयुक्त राष्ट्र ने दो महीने पहले एक रिपोर्ट जारी की थी। इसमें आगाह किया गया था कि केरल और कर्नाटक में बड़ी संख्या में आईएस आतंकी हो सकते हैं। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया था कि भारतीय उपमहाद्वीप में अल-कायदा (एक्यूआईएस) आतंकवादी संगठन हमले की साजिश रच रहा है। एक्यूआईएस का मौजूदा सरगना ओसामा महमूद है, जिसने मारे गए आसिम उमर की जगह ली है। वह उमर की मौत का बदला लेने के लिए क्षेत्र में जवाबी कार्रवाई की साजिश रच रहा है। रिपोर्ट में बताया गया था कि भारतीय उपमहाद्वीप में अलकायदा के 180 से 200 आतंकी हैं। ये भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और म्यांमार से हैं। भारतीय उपमहाद्वीप में अलकायदा आईएस का सहयोगी है। भारत के लिए चिंता की बात यह है कि पड़ोसी देशों बांग्लादेश और मालदीव में खूंखार आतंकी संगठन आईएसआईएस की बढ़ती पकड़ ने देश में इसके प्रभाव को और ज्यादा विस्तार दिया है। यह आतंकी संगठन भारत के चारों तरफ स्थित छोटे-छोटे देशों में अपने पैर जमा रहा है।

अनुभव

दूसरों की पीड़ा अनुभव करना ही मनुष्यता

लेखक - सीताराम गुप्ता

एक सेठ की दुकान के बाहर कुछ मजदूर काम कर रहे थे। गर्मी का मौसम था। तेज धूप पड़ रही थी। एक मजदूर को जोर से प्यास लगी। वह दुकान के अंदर गया और मालिक से बोला, 'सेठजी प्यास लगी है थोड़ा पानी पिला दो।' सेठजी ने कहा कि अभी मेरे पास कोई आदमी नहीं है। ये कहकर उसने अपना मुंह फेर लिया। प्यासा आदमी पानी की तलाश में आसपास गया पर कहीं पानी नहीं मिला। कुछ देर बाद वह लौटा और दुकान के मालिक से फिर बोला, 'सेठजी सचमुच बहुत प्यास लगी है थोड़ा पानी पिला दो।' सेठजी ने झुंझलाते हुए कहा कि अभी बोला था न कि कोई आदमी नहीं है। प्यासे आदमी ने बड़ी दीनता से कहा, 'सेठजी थोड़ी देर के लिए आप ही आदमी बन जाइए न।' इस दृष्टांत ने कुछ सोचने पर मजबूर किया। थोड़ी देर के लिए आप ही आदमी बन जाइए इन शब्दों में कितना गहरा अर्थ छुपा हुआ है। इंसानियत की इससे अच्छी व्याख्या क्या हो सकती है? कई बार जब कोई व्यक्ति कोई गलत काम करता है तो उसे भी प्रायः कह दिया जाता है कि आदमी बन जा अर्थात अपनी गलती को सुधार ले। अब ये गलतियां भी कई प्रकार की हो सकती हैं। किसी के काम करने में कोई गलती हो सकती है तो किसी में सद्गुणों का अभाव हो सकता है। अपनी गलतियों को सुधारना या दुर्गुणों अथवा विकारों से मुक्त होना भी सही आदमी या इंसान बनना ही है। मनुष्य योनि में जन्म लेने मात्र से कोई मनुष्य नहीं बन जाता। मनुष्य बनने के लिए प्रयास करना पड़ता है। कुछ त्याग करना पड़ता है। उर्दू के मशहूर शायर मिर्जा गालिब ने भी कहा है, 'आदमी को भी मयस्सर नहीं इंसां होना।' क्या हम सचमुच मनुष्य नहीं हैं? क्या इंसां होना संभव नहीं? मनुष्य अथवा इंसान किसे कहते हैं? यदि हम मनुष्य अथवा इंसान नहीं हैं तो फिर मनुष्य या इंसान बनने का क्या उपाय है? मनुष्य वास्तव में अपने कर्मों अथवा कार्यों से जाना जाता है। जैसे कर्म वैसा मनुष्य। अच्छे कर्म अच्छा मनुष्य और बुरे कर्म तो बुरा मनुष्य नहीं मनुष्य ही नहीं। अनिवार्य है कि मनुष्य कर्म करे अकर्मण्य न रहे। कर्म भी उपयोगी हों। कर्म निष्काम हो तो इससे तो अच्छी कोई बात ही नहीं। मनुष्य के व्यवहार में जब इन विशेषताओं का ह्रास होता है तो उसकी मनुष्यता ही प्रभावित होती है। हम प्रायः अपनी हैसियत के मुताबिक़ अपने कार्यों को निश्चित कर लेते हैं। जब हम किसी बड़े पद पर आसीन अथवा बहुत दौलतमंद हो जाते हैं तो सोचते हैं कि अब छोटे-मोटे कार्य करना हमारे लिए सम्मानजनक नहीं। कई लोगों के तो बच्चों को भी दूसरे लोग ही दूध पिलाते और पालते-पोसते हैं। ये ठीक है कि हम अपनी हैसियत के अनुसार कार्य करते हैं। इसमें कोई दोष भी नहीं। लेकिन कुछ कार्य निश्चित रूप से ऐसे होते हैं जो बेशक छोटे दिखते हों लेकिन छोटे होते नहीं हैं। इन कार्यों को हमारे लिए अन्य कोई कर भी नहीं सकता। करेगा भी तो उसका वास्तविक लाभ हमें नहीं मिल पाएगा। इसके बावजूद हम ऐसा कर रहे हैं। सोचें कि क्या हमारे बदले में कोई किसी से प्रेम कर सकता है? हमारे दुखी होने पर क्या हमारे बदले में हमारी जगह कोई दुखी हो सकता है? संभव ही नहीं। जब हम ऐसा कोई कार्य करेंगे ही नहीं तो उसका आनंद अथवा संतुष्टि व उस आनंद व संतुष्टि से प्राप्त लाभ भी हमें नहीं मिल पाएगा। जब हम ऐसे ही कार्यों को करवाने के लिए दूसरों का मुंह ताकने लगते हैं तो हमारा धर्म, हमारी नैतिकता व हमारी स्वाभाविकता अर्थात हमारी मनुष्यता ही डगमगाने लगती है। किसी को एक गिलास पानी दे देना कोई बड़ी बात नहीं लेकिन किसी प्यासे को पानी पिलाने से बड़ा धर्म ही नहीं। इस कार्य को करने से जो संतुष्टि मिलती है वो अद्वितीय होती है। यदि हम ये कार्य किसी और से करवाते हैं अथवा नहीं करते हैं तो हम उस आनंद से पूर्णतः वंचित रह जाते हैं। जो भी अच्छे कार्य होते हैं अथवा जिनमें धार्मिक होने का भाव निहित रहता है वे वास्तव में मनुष्य के स्वयं के उत्थान के लिए होते हैं। हम उन कार्यों की उपेक्षा करके कहने को तो हम मनुष्यता से वंचित हो जाते हैं लेकिन वास्तव में अपने मूल स्वरूप से कटकर अपने आध्यात्मिक विकास को ही अवरुद्ध कर लेते हैं।

जीईएम की समस्या सामने लाने व्हिसलब्लोअर की भूमिका निभाए उद्योग: गोयल

नई दिल्ली । वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने उद्योग से सार्वजनिक खरीद पोर्टल जीईएम पर पंजीकृत उत्पादों के स्वदेशीकरण के संदर्भ में गलत घोषणा के मामलों में उद्योग जगत से गड़बड़ी को सामने लाने वाले व्हिसलब्लोअर की भूमिका निभाने का आग्रह किया। उन्होंने सार्वजनिक खरीद में मेक इन इंडिया को तरजीह देने के विषय पर मंत्रालय के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि इससे खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने में मदद मिलेगी और फलस्वरूप घरेलू स्तर पर विनिर्मित वस्तुओं और सेवाओं को प्रोत्साहन मिलेगा। गोयल ने उद्योग को घरेलू गुणवत्ता मानकों को स्वीकार करने को कहा। उन्होंने कहा कि भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) विनिर्माण के विभिन्न क्षेत्रों में भारतीय मानकों का उपयोग सुनिश्चित करने के लिए उद्योग के साथ मिलकर काम करेगा। मंत्री ने कहा कि सरकार जीईएम खरीद प्रक्रिया में कृत्रिम मेधा का उपयोग करने के लिये उत्सुक है तथा इसे और अधिक प्रभावी बनाने के लिए उद्योग से सहयोग की मांग की।

एप्पल वैश्विक स्तर पर नए गैजेट लॉन्च करने की तैयारी में

नई दिल्ली । दिग्गज टेक कंपनी ऐप्पल वैश्विक स्तर पर नए गैजेट पेश करने की तैयारी कर रही है। एक खबर के अनुसार पहले आईफोन 14 लॉन्च किया जाएगा और उसके बाद 16 इंच वाले एम2 ऑपरेटेड मैकबुक को बाजार में उतारने की तैयारी चल रही है। इसके मद्देनजर आईफोन 13 और आईफोन 12 के दामों को ऑफर्स के जरिए कम कर दिया है। ई-कॉमर्स कंपनियां दोनों फोन पर अलग-अलग तरह से ऑफर के तहत आईफोन 13 की कीमत 60,000 तक कर दी है। एक रिपोर्ट के अनुसार साल 2021 के आंकड़ों के तहत भारत में आईफोन का बाजार शेयर 3.1 फीसदी है जो बीते कई सालों में तेजी से बढ़ा है। भारत में एप्पल अपने आईफोन के नए मॉडल आईफोन 14 को लॉन्च करने की तैयारी में है। कहा जा रहा है कि अगले महीने सितंबर की 7 तारीख को आईफोन 14 बाजार में उतारा जा सकता है।

अंतराष्ट्रीय सीमा क्षेत्रों में दूरसंचार संपर्क से अंकुश हटा

नई दिल्ली । दूरसंचार विभाग ने नियमों में संशोधन करते हुए अंतराष्ट्रीय सीमा क्षेत्रों में दूरसंचार संपर्क से अंकुश हटा दिया है। इससे इन स्थानों पर अब बेहतर नेटवर्क उपलब्ध हो सकेगा। दूरसंचार कंपनियों को अभी तक सीमा के पास के स्थानों पर सेवाएं उपलब्ध कराने की अनुमति नहीं थीं। कंपनियों को सीमा से थोड़ा आगे सिग्नल को हल्का करना पड़ता था। इससे पूर्व के सुरक्षा प्रावधान के अनुसार मोबाइल दूरसंचार सेवाएं देने के लिए बेस स्टेशन, सेल स्टेशन और रेडियो ट्रांसमीटर को अंतराष्ट्रीय सीमा के पास व्यवहार्य दूरी पर लगाने की जरूरत होती थी। इस उद्देश्य के लिए दूरसंचार कंपनियों को उचित तकनीकी ढांचा लगाने की जरूरत होती थी। विभाग की ओर से जारी सर्कुलर के अनुसार इस शर्त को अब हटा दिया गया है। सूत्रों ने कहा कि इस कदम से सीमा क्षेत्रों में दूरसंचार कवरेज में सुधार होगा और लोगों को सेवाओं से वंचित नहीं रहना होगा।

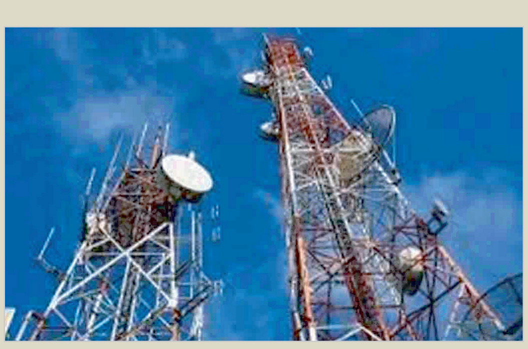

शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार बुधवार को मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव बना रहा। दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों से भी बाजार पर दबाव आया। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 54.13 अंक करीब 0.09 फीसदी ऊपर आकर 59,085.43 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 27.45 अंक तकरीबन 0.16 फीसदी ऊपर आकर 17,604.95 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में इंडसइंड बैंक, एनटीपीसी, लार्सन एंड टुब्रो, आईसीआईसीआई बैंक, पावरग्रिड, एचडीएफसी, कोटक महिंद्रा बैंक और एशियन पेंट्स के शेयर सबसे ज्यादा उछले। वहीं दूसरी ओर टाटा स्टील, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टाइटन, सन फार्मा और भारतीय स्टेट बैंक के शेयर गिरे हैं। वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो चीन के शंघाई कंपोजिट, जापान के निक्की और हांगकांग के हैंगसेंग में गिरावट रही जबकि दक्षिण कोरिया के कॉस्पी को लाभ हुआ। यूरोप के प्रमुख बाजारों में बिकवाली हावी रहने से शुरुआती कारोबार में गिरावट का माहौल रहा। अमेरिका में वॉल स्ट्रीट मंगलवार को नुकसान में रहा। बाजार जानकारों के अनुसार वैश्विक स्तर पर कमजोर रुख से बाजार दबाव में आया। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.04 फीसदी ऊपर आकर 101.3 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया।

सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट जारी

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजारों में कीमती धातुओं में नरमी की वजह से बुधवार को घरेलू बाजार में लगातार दूसरे दिन सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिल रही है। दोनों कीमती धातुएं मल्टीकमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर लाल निशान में कारोबार कर रही हैं। सोने का भाव आज भी 52 हजार रुपए प्रति दस ग्राम से नीचे ही है। सुबह के सत्र में सोना 74 रुपए की गिरावट के साथ 51343 रुपए प्रति दस ग्राम कारोबार कर रहा था। एमसीएक्स पर सोना 1747 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। कल के स्तर से इसमें तेजी देखने को मिली है लेकिन आज यह लाल निशान में ही कारोबार कर रहा है। अमेरिकी बाजार में मंगलवार को सोने का हाजिर भाव 1,736.55 डॉलर प्रति औंस रहा, जो अपने पिछले बंद भाव से 0.09 फीसदी ज्यादा है। मंगलवार को सर्राफा बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में बढ़त देखने को मिली थी। राष्ट्रीय राजधानी में 10 ग्राम सोने की कीमत 157 रुपए चढ़कर 51,707 पर पहुंच गई। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 51,550 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत आज 364 रुपए बढ़कर 55,662 रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई।

एयर एशिया के 2600 करोड़ के नुकसान की भरपाई कर सकती है टाटा

नई दिल्ली । एयर एशिया इंडिया को भारत में कारोबार में नुकसान हो रहा है और इसकी भरपाई के लिए टाटा संस 2600 करोड़ रुपए का प्रोविजन कर सकती है। टाटा संस ने प्रस्ताव किया है कि एयर एशिया इंडिया को एयर इंडिया के साथ मर्ज कर दिया जाए। इसके साथ ही एयर इंडिया एक्सप्रेस को भी एयर इंडिया में मर्ज करने की योजना बनाई जा रही है। इस मामले से जुड़े लोगों ने यह जानकारी दी है। एक ऑडिटर की रिपोर्ट में एयर एशिया इंडिया के कारोबार पर चिंताएं जाहिर की गई है। कहा गया है कि एयर एशिया इंडिया का नेटवर्थ कम हो रहा है और इसकी मौजूदा संपत्तियों से इसकी देनदारी ऊपर चली गई है। टाटा के मालिकाना हक वाली एयर इंडिया ने एयर एशिया की सारी खरीदने का फैसला किया है। एयर इंडिया ने भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग से इसकी मंजूरी मांगी है। टाटा संस की एयर एशिया इंडिया में 83.67 फीसदी हिस्सेदारी है। एयर एशिया इंडिया की बाकी 16.33 फीसदी हिस्सेदारी एयर एशिया इनवेस्टमेंट लिमिटेड के पास है जो मलेशिया के एयर एशिया ग्रुप की कंपनी है। सिविल कारोबार में नुकसान उठा रहे एयर एशिया इंडिया को कोरोनावायरस के दौर में भारी नुकसान उठाना पड़ा है। टाटा संस ने इस मामले पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है लेकिन इस मामले से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक अभी यह साफ नहीं है कि एयर एशिया इंडिया के 2600 करोड़ रुपए के नुकसान की भरपाई को टाटा संस के बैलेंस शीट में जोड़ा जाएगा, या यह एयर इंडिया के बैलेंस शीट में जुड़ेगा।

1 अक्टूबर से बदल जाएंगे डेबिट-क्रेडिट कार्ड के नियम, अभी चेक कर लें डिटेल

नई दिल्ली:

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) का कार्ड-ऑन-फाइल टोकनाइजेशन का नियम 1 अक्टूबर से बदलने जा रहा है। रिजर्व बैंक का कहना है कि कार्ड टोकनाइजेशन का नियम लागू होने से डेबिट और क्रेडिट कार्ड से होने वाला पेमेंट अधिक सुरक्षित होगा। पेमेंट और ट्रांजैक्शन में भी आसानी रहेगी। रिजर्व बैंक के मुताबिक, टोकनाइजेशन का नियम लागू होने के बाद जब भी कोई ग्राहक डेबिट या क्रेडिट कार्ड से ऑनलाइन, पॉइंट ऑफ सेल या ऐप पर ट्रांजैक्शन करेगा, तो खाते से जुड़ी सभी डिटेल इनक्रिप्टेड कोड में सेव होगी। अब तक ये होता है कि जब हम किसी पीओएस, ऑनलाइन या ऐप पर डेबिट या क्रेडिट कार्ड से ट्रांजैक्शन करते हैं, तो उसकी डिटेल कंपनी के सर्वर में सेव होती है। तभी जब आप दोबारा ऑनलाइन या ऐप पर पेमेंट करने चलते हैं, तो कंपनी आपसे पूरी डिटेल नहीं मांगती। वहां आपका खाता नंबर, कार्ड नंबर आदि पहले से मौजूद होता है। बस आपको दोबारा सीवीवी दर्ज करना होता है और पेमेंट हो जाता है। 1 अक्टूबर से ऐसा नहीं होगा क्योंकि कंपनी के सर्वर में कोई डेटा स्टोर नहीं रहेगा। कार्ड से जुड़ी हर जानकारी उन्हें एनक्रिप्टेड कोड में मिलेगी जिसे पढ़ा नहीं जा सकेगा। कार्ड की डिटेल एनक्रिप्टेड कोड में होने से ट्रांजैक्शन सुरक्षित होगा। हैकिंग और साइबर फ्रॉड की घटना से छुटकारा मिलेगा। अगर कंपनियों के सर्वर में कार्ड की डिटेल पहले से मौजूद हो, तो उसे डिलीट करना होगा। साइबर अपराध को देखते हुए टोकनाइजेशन सिस्टम को लागू किया जा रहा है। डेबिट और क्रेडिट कार्ड से जुड़ा टोकनाइजेशन का नियम पहले 1 जुलाई को लागू होने वाला था लेकिन उसे बढ़ाकर 1 अक्टूबर कर दिया गया है। इसमें ग्राहक को कुछ नहीं करना होगा बल्कि पीओएस, ऑनलाइन और ऐप कंपनियों को सिस्टम लागू करना है। एक रिपोर्ट कहती है कि अधिकांश मर्चेंट ने रिजर्व बैंक के कार्ड-ऑन-फाइल टोकनाइजेशन का पालन शुरू कर दिया है और अब तक 19.5 करोड़ टोकन जारी किए गए हैं। यह टोकन उस फिजिकल टोकन से अलग है जिसे बैंक आदि में नंबर आने तक इंतजार के लिए दिया जाता है। कार्ड-ऑन-फाइल टोकन का काम सेंकंडों में पूरा होगा और वह डेबिट या क्रेडिट कार्ड को पंच करते ही सेंकडों में जनरेट होगा। फिर उसी टोकन के आधार पर कंपनी आपके खाते से पैसे काटेगी लेकिन कंपनी कार्ड का डिटेल नहीं देख सकेगी क्योंकि वह पूरी तरह से एनक्रिप्टेड होगी।

अगले पांच साल में कुल बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों की 25% हिस्सेदारी होगी: मर्सिडीज-बेंज

मुंबई:

जर्मनी की लक्जरी कार कंपनी मर्सिडीज-बेंज ने उम्मीद जताई है कि अगले पांच साल में भारत में उसकी कुल वाहन बिक्री में 25 प्रतिशत हिस्सेदारी इलेक्ट्रिक वाहनों की होगी। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह बात कही। कंपनी की भारतीय इकाई मर्सिडीज-बेंज इंडिया देश में अपनी इलेक्ट्रिक वाहन यात्रा में तेजी लाने की रणनीति के तहत अगले चार महीने में तीन इलेक्ट्रिक वाहन उतारेगी। इसी योजना के तहत कंपनी ने बुधवार को पूरी तरह से इलेक्ट्रिक कार मर्सिडीज-एएमजी ईक्यूएस 53 4मैटिक पेश की है। इसकी शोरूम कीमत 2.45 करोड़ रुपए से शुरू है। मर्सिडीज-बेंज इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी मार्टिन श्वेंक ने कहा, ''हम यह कहते हुए बेहद आशान्वित हैं कि अगले पांच साल में इलेक्ट्रिक वाहनों की हमारी कुल बिक्री में 25 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी।'' कंपनी ने वर्ष 2021 में कुल 11,242 इकाइयों की बिक्री की थी। जबकि 2022 में अभी तक कंपनी ने 7,573 इकाइयों की बिक्री की है। श्वेंक ने कहा कि कंपनी की कुल बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी अभी एक अंक में है लेकिन अगले साल से जब नए इलेक्ट्रिक मॉडलों की पूर्ण उपलब्धता होगी तो इसमें बढ़ोतरी होगी।

गेहूं के बाद अब चावल की कीमत भी बढ़ी

नई दिल्ली ।

गेहूं के बाद अब देश में चावल की कीमतें भी लगातार बढ़ रही हैं। पूरे देश में चावल की औसत खुदरा कीमत पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 6.31 प्रतिशत की तेजी के साथ 37.7 रुपए प्रति किलो हो गई है। एक सरकारी आंकड़े से यह जानकारी मिली है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार पूरे देश में गेहूं का औसत खुदरा मूल्य 22 अगस्त को करीब 22 प्रतिशत बढ़कर 31.04 रुपए प्रति किलो हो गया जो पिछले साल की समान अवधि में 25.41 रुपए प्रति किलो था। आंकड़ों से पता चलता है कि गेहूं आटा का औसत खुदरा मूल्य 17 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 35.17 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 30.04 रुपए प्रति किलो था। चावल की खुदरा कीमत में बढ़ोतरी का कारण चालू खरीफ सत्र में पिछले सप्ताह तक धान बुवाई 8.25 प्रतिशत कम रहने तथा देश के उत्पादन में संभावित गिरावट की खबर है। विशेषज्ञों ने कहा कि धान बुवाई के रकबे में मौजूदा कमी पर गौर करते हुए देश का कुल चावल उत्पादन खरीफ सत्र 2022-23 (जुलाई-जून) के लिए 11.2 करोड़ टन के निर्धारित लक्ष्य से कम रहने की संभावना है। फिर भी चावल की खुदरा कीमतों में वृद्धि गेहूं जितना नहीं है क्योंकि केंद्र के पास 396 लाख टन का एक विशाल भंडार पड़ा है और कीमतों में तेज वृद्धि के समय स्थितियों में हस्तक्षेप के लिए इस भंडार का उपयोग कर सकता है।

स्वीडिश साज सज्जा कंपनी आइकिया भारत में छोटे शहरों तक खोलेगी स्टोर

नई दिल्ली ।

स्वीडिश साज सज्जा कंपनी आइकिया भारत में छोटे शहरों तक अपनी पहुंच बनाने के लिए ऑनलाइन प्लेटफार्म के साथ अपने स्टोर खोलने की जा रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। कंपनी ने भारत में पिछले 10 वर्षों में 10 फर्निशिंग एवं घरेलू साज-सज्जा स्टोर खोलने के साथ संबंधित बुनियादी ढांचे की स्थापना की परिकल्पना की थी। इसके बाद इसकी आने वाले समय में 15 और स्टोर खोलने की योजना है। आइकिया को वर्ष 2013 में भारत में स्टोर खोलने के लिए 10,500 करोड़ रुपये के निवेश के लिए सरकार की मंजूरी मिली थी। वर्तमान में इसके हैदराबाद, नवी मुंबई और बेंगलुरु में तीन मेगा फॉर्मेट स्टोर और मुंबई में दो सिटी सेंटर स्थापित हैं। आइकिया इंडिया की मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सुजेन पुल्वरर ने कहा, 'हमें वहां पर मौजूद रहने की जरूरत है जहां पर लोग रह रहे हैं। लिहाजा हमने छोटे प्रारूपों पर भी ध्यान दिया जो भारतीय खुदरा क्षेत्र के लिए अब भी अपेक्षाकृत बड़े हैं।' उन्होंने ऑनलाइन विस्तार के बारे में पूछे जाने पर कहा कि आइकिया भौतिक और ऑनलाइन दोनों में एक साथ मौजूदगी रखना चाहती है और यह सबसे अच्छा विकल्प भी है। उन्होंने कहा कि कंपनी ने गुजरात के तीन शहरों में कुछ प्रयोग केवल ऑनलाइन मंचों के साथ किए हैं। पुल्वरर ने कहा कि ऑनलाइन चैनल से कुल बिक्री में वर्तमान योगदान लगभग 30 प्रतिशत है, जो कोविड-19 महामारी के दौरान बढ़ा है और ऊंचे स्तर पर बना हुआ है। आइकिया बेंगलुरु, हैदराबाद, मुंबई, पुणे, अहमदाबाद, सूरत और वडोदरा जैसे शहरों में अपने ग्राहकों को वेबसाइट या ऐप के माध्यम से ऑनलाइन उत्पादों की पेशकश कर रही है।

एनडीटीवी में अदाणी के प्रवेश के बाद पांच फीसदी चढ़े मीडिया कंपनी के शेयर

नई दिल्ली ।

अदाणी ग्रुप की एनडीटीवी मीडिया ग्रुप में बड़ी हिस्सेदारी खरीदने की खबरों के बाद बुधवार को शेयर बाजार में एनडीटीवी के शेयरों में पांच प्रतिशत तक की बढ़ोतरी देखने को मिली। इसी के साथ कंपनी के शेयर दिन के अपर सर्किट को छू गए। फिलहाल एनडीटीवी के शेयरों की कीमत पांच प्रतिशत के उछाल के साथ 384.5 रुपए पर पहुंच गई है। यह दिन का अपर सर्किट लगाने के बाद 52 हफ्तों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर एनडीटीवी के शेयरों में 4.99 फीसदी की उछाल आई। कंपनी के शेयरों ने 388.20 रुपए पर पहुंचते हुए दिन के अपर सर्किट को छू लिया है। यह कंपनी के बीते एक साल का उच्चतम स्तर है। बता दें कि अरबपति गौतम अदाणी ने एनडीटीवी के अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू की है। अगर यह अधिग्रहण अपने अंजाम तक पहुंचता है तो देश में मीडिया का वर्तमान परिदृश्य बदल सकता है। अदाणी ग्रुप ने पहले ब्रॉडकास्टर में 29.18 प्रतिशत हिस्सेदारी के अप्रत्यक्ष अधिग्रहण के बाद कंपनी में हिस्सेदारी को नियंत्रित करने वाले अतिरिक्त 26 प्रतिशत शेयरों को भी खरीदने की पेशकश की है।

रिजर्व बैंक ने थोडुपुझा अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक पर 'अंकुश' लगाए, खातों से पैसा निकालने पर रोक

मुंबई,

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने केरल के थोडुपुझा अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक के ग्राहकों के अपने खातों से पैसा निकालने पर रोक लगा दी है।

केंद्रीय बैंक ने थोडुपुझा अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक की खस्ता वित्तीय स्थिति के मद्देनजर उसपर कई अंकुश लगाए हैं। बैंक की बिगड़ती वित्तीय स्थिति के कारण ऋणदाता पर लगाए गए कई प्रतिबंधों के हिस्से के रूप में यह कार्रवाई की है। रिजर्व बैंक ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि यह रोक 23 अगस्त, 2022 को कारोबार की समाप्ति के साथ लागू हो गई है। केंद्रीय बैंक ने कहा, ''बैंक की मौजूदा तरलता की स्थिति को देखते हुए सभी बचत, चालू या जमाकर्ताओं के अन्य खातों से निकासी पर रोक रहेगी। हालांकि, ग्राहकों के खातों में जमा राशि से ऋण का निपटान किया जा सकता है। रिजर्व बैंक के अनुसार, ये निर्देश 23 अगस्त, 2022 को कारोबार की समाप्ति से छह महीने की अवधि के लिए लागू रहेंगे। यह बैंक रिजर्व बैंक की मंजूरी के बिना न तो नया ऋण दे सकता है, न कर्ज का नवीकरण कर सकता है। इसके अलावा बैंक के किसी तरह के निवेश करने या नई जमा लेने पर भी रोक रहेगी। हालांकि, केंद्रीय बैंक ने स्पष्ट किया है कि इन निर्देशों का आशय यह नहीं है कि थोडुपुझा अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक का लाइसेंस रद्द कर दिया गया है।

पटरी पर लौट रही है अर्थव्यवस्था, पहली तिमाही में 15% की दर से बढ़ सकती है देश की इकोनॉमी

नई दिल्ली:

भारतीय अर्थव्यवस्था कोविड-19 के बाद एक बार फिर धीरे-धीरे पटरी पर लौटती दिखाई दे रही है। प्रमुख अर्थशास्त्रियों ने 2022-23 की पहली तिमाही में आर्थिक वृद्धि दर 13 से 15.7 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। उनका यह भी कहना है कि वृद्धि दर इससे अधिक भी रह सकती है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) समूह के मुख्य आर्थिक सलाहकार सौम्य कांति घोष ने मंगलवार को वृद्धि दर पहली तिमाही में 15.7 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अंतिम आंकड़ा इससे ऊंचा रहने की संभावना है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय पहली तिमाही के जीडीपी आंकड़े अगले सप्ताह जारी करेगा। महामारी की पहली लहर में जून, 2020 में जीडीपी में 23.9 प्रतिशत की गिरावट आई थी। हालांकि, कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर में स्थिति ज्यादा खराब होने के बावजूद जून, 2021 में 20.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। भारतीय रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में आर्थिक वृद्धि दर 16.2 प्रतिशत रहने की संभावना जताई है।

अधिकांश समीक्षाधीन आंकड़ों में दिखी तेजी

एसबीआई रिसर्च के अनुसार, पहली तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 15.7 प्रतिशत रहने की संभावना है। यह इससे ऊपर भी जा सकती है। अगर ऐसा होता है तो केंद्रीय बैंक का 2022-23 के लिए 7.2 प्रतिशत आर्थिक वृद्धि का अनुमान ऊपर जा सकता है। एसबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, निगरानी वाले 41 महत्वपूर्ण आंकड़ों में से 89 प्रतिशत में पहली तिमाही में तेजी रही जबकि 2021-22 में यह 75 प्रतिशत था। यह वृद्धि के मजबूत और व्यापक रहने का संकेत देता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बुमराह और शमी के विकल्प बन सकते हैं चाहर : बालाजी

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर लक्ष्मीपति बालाजी ने कहा है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी के टीम में नहीं होने पर युवा ऑलराउंडर दीपक चाहर एक बेहतर विकल्प साबित हो सकते हैं। चाहर ने जिम्बाब्वे के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से वापसी करते हुए अच्छी गेंदबाजी कर सबका ध्यान खींचा है। जिम्बाब्वे दौरे में चाहर ने सीरीज के पहले ही मैच में 27 रन देकर 3 विकेट लिए थे। बालाजी ने कहा कि चाहर को अधिक से अधिक मैचों में अवसर दिया जाना चाहिये। वर्तमान समय में नई गेंद से स्विंग और सीम बहुत कम देखने को मिलती है पर चाहर की गेंदबाजी में ये सभी विविधताएं है। वह गेंद को स्विंग कराने के साथ ही नई गेंद से विकेट लेने में भी सक्षम हैं। बालाजी ने यह भी चोटिल होने के कारण मिले ब्रेक से दीपक को लाभ ही हुआ है। इससे उनकी गेंदबाजी पहले से बेहतर हो गयी है। वह एक मेहनती क्रिकेटर है जो लगातार आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि बुमराह और शमी की गैरमौजूदगी में चाहर टीम के लिए अहम भूमिका निभा सकते हैं। ऐसे में चयनकर्ता इस युवा ऑलराउंडर को अगले महीने ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली घरेलू टी20 सीरीज के लिए शामिल कर सकते हैं। गेंदबाजी के साथ बल्लेबाजी में भी चाहर ने अच्छा प्रदर्शन दिखाया है।

एशिया कप : द्रविड़ के कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद टीम इंडिया को मिला नया कोच!

नई दिल्ली :

भारत के पूर्व बल्लेबाज और वर्तमान राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण 2022 एशिया कप के लिए वर्तमान में दुबई में रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम में शामिल हो गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार जिम्बाब्वे में भारत की तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में कोच के रूप में काम करने वाले लक्ष्मण हरारे से लौटने पर दुबई चले गए हैं। जिम्बाब्वे श्रृंखला के बाकी सदस्य, जो एशिया कप दल का हिस्सा नहीं हैं, भारत लौट आए हैं। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि 47 वर्षीय लक्ष्मण 27 अगस्त से 11 सितंबर तक होने वाले एशिया कप के लिए भारतीय टीम के अस्थायी कोच होंगे क्योंकि मुख्य कोच राहुल द्रविड़ कोविड पॉजिटिव पाए जाने के बाद संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा नहीं कर सके। गौर हो कि विशेष रूप से बीसीसीआई ने टूर्नामेंट के लिए आधिकारिक तौर पर लक्ष्मण को कोच के रूप में नामित नहीं किया है। बोर्ड ने पहले मंगलवार को एक बयान में कहा था, द्रविड़ बीसीसीआई की मेडिकल टीम की निगरानी में हैं और उनमें हल्के लक्षण हैं। एक बार जब वह एक नकारात्मक कोविड-19 रिपोर्ट के साथ लौट आएंगे तो वह टीम में शामिल हो जाएंगे। पता चला है कि द्रविड़ के स्वास्थ्य की स्थिति पर अभी भी नजर रखी जा रही है और द्रविड़ के फिर से टीम से जुड़ने तक लक्ष्मण टीम की कमान संभालेंगे। भारत अपने एशिया कप अभियान की शुरुआत रविवार 28 अगस्त से करेगा और पहला मैच चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ होगा।

लक्ष्य , अर्जुन और कपिला विश्व बैडमिंटन चैम्पियनशिप के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

टोक्यो ।

भारत के लक्ष्य सेन विश्व बैडमिंटन चैम्पियनशिप के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। लक्ष्य ने स्पेन के लुईस पेनावेर को सीधे गेम में 21-17, 21-10 से हराकर प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी। दोनो के बीच यह मुकाबला करीब 72 मिनट चला। इस मुकाबले में एक समय 3-4 से पिछड़ने के बाद लक्ष्य ने अच्छी वापसी करते हुए छह अंक लेकर 13.7 की बढ़त हासिल कर ली। ली। उन्होंने इस लय को बनाये रखते हुए पहला गेम जीता। इसके बाद लक्ष्य ने दूसरे गेम में भी अपने प्रतिद्वंद्वी को वापसी का अवसर नहीं दिया। वहीं पुरूष युगल वर्ग के ही एक अन्य मुकाबले में एम आर अर्जुन और ध्रुव कपिला की जोड़ी ने जीत के साथ ही प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी पर महिला वर्ग में अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी हार के साथ ही बाहर हो गए। अर्जुन और कपिला की जोड़ी ने डेनमार्क के आठवीं वरीयता प्राप्त किम एस्ट्रूप और एंडर्स स्कारूप रासमुसेन को 21-17, 21-16 से हराया। अब उनका मुकाबला सिंगापुर के ही योंग टैरी और लोह कीन हीन से होगा। एक अन्य मुकाबले में पोनप्पा और सिक्की की जोड़ी को शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन की चेन किंग चेन और जिया यि फान के हाथों 21-15, 21-10 से हार का सामना करना पड़ा।

सानिया ने अमेरिकी ओपन से नाम वापस लिया

हैदराबाद । भारतीय महिला टेनिस स्टार सानिया मिर्जा चोटिल होने के कारण अमेरिकी ओपन टेनिस में नहीं खेलेंगी। सानिया को हाल में कनाडा में खेले टोरंटो अपने में यह चोट लगी थी। सानिया वैसे भी पिछले काफी समय से केवल युगल मुकाबलों में ही भाग ले रही हैं। सानिया के नाम वापस लेने से उनके संन्यास की अटकलें फिर तेज हो गयी हैं। वैसे भी इस खिलाड़ी ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि यह उनके करियर का अंतिम साल है। सानिया ने सोशल मीडिया पर लिखा कि इस महीने टोरंटो में खेलने के दौरान उन्हें चोट लग गयी थी। उन्होंने लिखा, 'नमस्कार दोस्तों, एक नयी खबर। मेरे पास बहुत अच्छी सूचना नहीं है। दो सप्ताह पहले कनाडा में मेरी कोहनी में चोट लग गयी थी।' तब मैंने इसे गंभीरता से नहीं लिया था पर कल जब मेरा स्कैन हुआ तो पता चला कि यह गंभीर चोट है। इसलिए मुझे कुछ सप्ताह के लिए खेल से दूर रहना होगा और इसी कारण मैं अमेरिकी ओपन से हट गई हूं।' अमेरिकी ओपन 29 अगस्त से 11 सितंबर तक खेला जाएगा। सानिया ने इससे पहले कहा था कि 2022 के सत्र के अंत में वह खेल को अलविदा कहेंगी हालांकि उनका यह फैसला बदल भी सकता है।

एक अक्टूबर से बांग्लादेश में होगा महिला एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट

ढ़ाका ।

महिला एशिया कप टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट एक अक्टूबर से बांग्लादेश में होगा। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) की ओर से हालांकि अभी तक इसका कार्यक्रम घोषित नहीं किया गया है। अब तक मिली जानकारी के अनुसार इसमें भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, थाईलैंड, मलेशिया और यूएई, बांग्लादेश के अलावा छह अन्य टीमें भी भाग लेंगी। . यह टूर्नामेंट यूएई में महिला टी20 विश्व कप क्वालिफायर-2022 के बाद शुरू होगा। इसके शुरुआती दो सप्ताह को इस साल के महिला एशिया कप के लिए आईसीसी ने फ्यूचर टूर्स प्रोग्राम में नामांकित किया है। वहीं बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) की महिला समिति के अध्यक्ष शफीउल आलम चौधरी ने कहा कि कोविड-19 महामारी के कारण इस टूर्नामेंट को 2020 की जगह साल 2021 में कराने के लिए स्थगित कर दिया गया था। उसके बाद हालात खराब होने के कारण इस टूर्नामेंट को अंत में रद्द करना पड़ा था। अब यह बांग्लादेश में खेला जाएगा। महिला एशिया कप आमतौर पर हर 2 साल में आयोजित किया जाता है पर महामारी के कारण कार्यक्रम को बदला गया है। यह टूर्नामेंट 2012 से 20 ओवर के फॉर्मेट में आयोजित किया गया है। सिलहट इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में इस टूर्नामेंट के मुकाबले खेले जाएंगे। इसके ग्राउंड-1 को मैचों के लिए और ग्राउंड-2 को अभ्यास के लिए रखा जाएगा। चौधरी बीसीबी के निदेशक भी हैं।

संक्षिप्त समाचार

आबू धाबी मास्टर्स शतरंज - भारत के अर्जुन नें बनाई सयुंक्त बढ़त

आबू धाबी (निकलेश जैन) भारत के 18 वर्षीय ग्रांड मास्टर अर्जुन एरिगासी नें ओलंपियाड में अपराजित रहते हुए व्यक्तिगत रजत पदज जीतकर अपनी क्षमता साबित की थी और 2700 रेटिंग को पार करने वाले भारत के सातवे खिलाड़ी बन गए थे और उन्होने अपनी इसी लय को बनाए रखते हुए आबू धाबी मास्टर्स शतरंज मे छह राउंड के बाद यूएसए के रेबसन रे के साथ सयुंक्त बढ़त हासिल कर ली है । अर्जुन नें अब तक खेले गए छह मुकाबलों मे 4 जीत और 2 ड्रॉ के साथ पाँच अंक बनाए और 2856 रेटिंग का प्रदर्शन करते हुए लाइव रेटिंग मे 2714 अंको के साथ विश्व रैंकिंग में 29वे स्थान पर पहुँच गए है ,अब भारत में उनसे ज्यादा रेटिंग वाले खिलाड़ियों में विश्वनाथन आनंद (2756) ,डी गुकेश (2728) और पेंटाला हरीकृष्णा (2716) है जबकि विदित गुजराती (2710) के साथ पांचवे स्थान पर है । अर्जुन नें तीसरे राउंड में सर्बिया के इंडजीक अलेक्ज़ेंडर और छठे राउंड में हमवतन रौनक साधवानी पर महत्वपूर्ण जीत हासिल की है । अन्य भारतीय खिलाड़ियों में निहाल सरीन ,मुरली कार्तिकेयन और एसपी सेथुरमन 4.5 अंक बनाकर 9 अन्य विदेशी खिलाड़ियों के साथ सयुंक्त दूसरे स्थान पर चल रहे है ।

एशिया कप में भारत-पाक मुकाबले को समान्य मैच की तरह लें : अकरम

लाहौर ।

पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने दोनो ही देशों के क्रिकेट प्रशंसकों से कहा है कि वे एशिया कप के मैच को एक सामान्य मैच की तरह ही लें। एशिया कप में भारत और पाक के बीच 28 अगस्त को होने वाले एशिया कप टी20 क्रिकेट मैच को लेकर जबरदस्त उत्साह है। इस मेच की सभी टिकटें पहले ही बिक गयी हैं। आम तौर पर दोनो देशों के बीच होने वाले मुकाबले में जबरदस्त तनाव रहता है। इसी को देखते हुए अकरम ने ये बात ही है। अकरम ने सभी खेल प्रशंसकों से कहा है कि इसे एक मैच की तरह ही लें क्योंकि खेल में एक टीम जीतती है तो एक हारती है। गौरतब है कि एशिया कप 27 अगस्त से शुरू होगा और इसमें अगले दिन खिताब की प्रबल दावेदार भारत और पाक टीमें आमने-सामने होंगी । अकरम ने कहा ,'' सभी की नजरें इसी मैच पर लगी है क्योंकि लोगों को इन दोनों टीमों के बीच काफी कम मैच देखन को मिलते हैं। इसलिए उन्हें इस मैच का इंतजार रहता है।'' उन्होंने कहा ,'' मैं दोनों देशों के क्रिकेटप्रेमियों से अनुरोध करना चाहता हूं कि इसे सिर्फ एक क्रिकेट मैच की तरह ही लें जिसमें एक टीम हारेगी और एक जीतेगी।'' वहीं भारतीय टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने भी खिलाड़ियों को सोशल मीडिया पर बनने वाली हाइप से दूर रहने की सलाह देते हुए कहा ,'' मैं खिलाड़ियों से यही कहूंगा कि अपने खेल पर ध्यान दें और सोशल मीडिया हाइप से दूर रहें ।''

विराट को लय हासिल करने एक अच्छी पारी की जरुरतः शास्त्री

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने अनुभवी खिलाड़ी विराट कोहली का समर्थन करते हुए कहा कि उन्हें लय हासिल करने के लिए एक अच्छी पारी की जरुरत है। शास्त्री ने कहा कि फिटनेस, जीत की भूख और जुनून के मामले में अभी भी विराट का कोई मुकाबला नहीं है। हमें उम्मीद है कि एशिया कप से वहा शानदार वापसी करेंगे। एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ 28 अगस्त को होने वाला मैच पूर्व कप्तान विराट कोहली का 100वां टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच होगा। शास्त्री ने ही कोहली को क्रिकेट से ब्रेक लेने और आईपीएल भी नहीं खेलने की सलाह दी थी। शास्त्री ने कहा, 'मैंने हाल ही में कोहली से बात नहीं की है पर बड़े खिलाड़ी हमेशा समय पर फार्म में आ जाते हैं। एशिया कप से पहले लिया ब्रेक उसके लिए लाभदायक होगा, जिसमें उसने आत्ममंथन किया होगा।' लौटे शास्त्री ने कहा कि मैंने हाल ही में एक आंकड़ा देखा कि पिछले 3 साल में कोहली ने अपने समकालीन केन विलियमसन, डेविड वॉर्नर या जो रूट की तुलना में 3 गुना मैच खेले हैं। वह तीनों फॉर्मेट में लगातार खेल रहा था, जिसका असर उसपर पड़ा है। इसके बाद भी उसके जैसी फिटनेस किसी अन्य क्रिकेटर के पास नहीं है। वह एक मशीन है और उसके भीतर जीत की भूख और जुनून भी है। हर बड़ा खिलाड़ी खराब दौर से गुजरता है और उससे सीखता है। उसे भी एक अच्छी पारी की जरूरत है।

अमरीकी ओपन : दिमित्रोव के बाहर होने के बाद थियेम जीते

विन्सटन सलेम । अमरीकी ओपन 2020 जीतने के बाद अमरीकी धरती पर पहला टूर्नामेंट खेल रहे डोमिनिक थियेम ने विंस्टन सलेम ओपन के दूसरे दौर में ग्रिगोर दिमित्रोव के बाहर होने के बाद अगले दौर में जगह बना ली। दिमित्रोव 6.0, 2.4 से आगे चल रहे थे जब दिमित्रोव ने तबीयत खराब होने के कारण मैच छोड़ दिया। थियेम मार्च 2020 में कैरियर की सर्वोच्च तीसरे नंबर की रैंकिंग पर पहुंचे थे और 14 महीने पहले दाहिनी कलाई में चोट लगने से पहले शीर्ष पांच में शामिल थे। अमरीका के मैक्सिम क्रेसी ने आस्ट्रेलिया के जेम्स डकवर्थ को 6.3, 6.3 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई। अमरीका के ही स्टीव जॉनसन ने मैक्सिको के पेड्रो मार्तिनेज को 7.6, 6.2 से हराया। पांचवीं वरीयता प्राप्त इटली के लोरेंजो मुसेटी को दूसरे दौर में फ्रांस के रिचर्ड गास्केत ने 7.6, 4.6, 6.1 से हराया। वहीं फ्रांस के एड्रियन मानारिनो और बेंजामिन बोंजी भी अगले दौर में पहुंच गए।

पाक के खिलाफ मुकाबले में चहल और बिश्नोई में से किसे शामिल करेंगे रोहित ?

दुबई । पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले एशिया कप क्रिकेट मुकाबले के लिए भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा के लिए टीम चयन आसान नहीं रहेगा। इस मैच में भारतीय टीम पिछले साल टी20 विश्वकप में मिली हार का हिसाब बराबर करना चाहेगी। यह भारतीय टीम के लिए इतना आसान भी नहीं रहेगा क्योंकि बाबर आजम की कप्तानी में पाक टीम पिछले एक साल से अच्छा प्रदर्शन कर रही है। भारतीय टीम इस मुकाबले के लिए अपने सबसे बेहतर खिलाड़ियों को अवसर देना चाहेगी। भारतीय टीम के कई युवा खिलाड़ी भी बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसे में उन्हें अंतिम ग्यारह का चयन करते समय अनुभवी के साथ ही युवा खिलाड़ियों को भी अवसर देने होंगे। दुबई की पिचों पर स्पिन गेंदबाजों को सहायता मिलने की संभावनाओं को देखते हुए भारतीय दल में रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, युजवेंद्र चहल और रवि बिश्नोई को रखा गया है। अब इनमें से अंतिम ग्यारह का चयन आसान नहीं रहेगा। अश्विन और जडेजा अनुभवी होने के साथ ही अच्छी बल्लेबाजी भी कर लेते हैं। ऐसे में इनकी अनदेखी संभव नहीं है। अश्विन ऑफ स्पिनर के तौर पर प्रबल दावेदार हैं। वहीं चहल और बिश्नोई दोनों ही लेग स्पिनर हैं। ऐसे में इनमें से किसी एक का चयन करना होगा। बिश्नोई ने इस साल आईपीएल और उसके बाद हुए मुकाबलों में अच्छा प्रदर्शन किया है। इसी कारण उन्हें अक्षर पटेल के ऊपर वरीयता दी गई है। ऐसे में रोहित अंतिम 11 में बिश्नोई ओर चहल में से किये शामिल करते हैं यह देखना होगा। गेंदबाजी में विविधता को देखते हुए लेग स्पिनर की भूमिका अहम रहती है।

शुभमन में रोहित, विराट और राहुल जैसी क्षमताएं : हरभजन

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने युवा बल्लेबाज शुभमन गिल की जमकर प्रशंसा की है। हरभजन ने कहा कि शुभमन में रोहित शर्मा, विराट कोहली और राहुल जैसी क्षमताएं हैं। यहां तक कि आने वाले समय में वह भारतीय टीम की कप्तानी भी कर सकते हैं। वह एक सुलझे हुए बल्लेबाज हैं और उनकी तकनीक भी सधी हुई होने के साथ ही शॉट चयन भी शानदार है , इसके साथ ही उनमें रनों की भूख है और वह टीम के लिए योगदान देना चाहते हैं। हरभजन ने बताया कि जब वह विजय हजारे ट्रॉफी 2017 में पंजाब की कप्तानी कर रहे थे तब उन्हें शुभमन के बारे में पहली बार पता चला। उन्होंने कहा, 'चयनकर्ताओं ने मुझे शुभमन के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि वह प्रतिभावान खिलाड़ी है। हम उसे इस साल रणजी ट्रॉफी में अवसर दे रहे हैं। हमें उसके अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद है। तब मैंने इसपर जवाब दिया कि अगर वह प्रतिभावान है तो हम उसे भविष्य की जगह अभी क्यों न अवसर दें? इसपर चयनकर्ताओं ने मुझसे पूछा कि क्या मैं उन्हें लेकर निश्चित हूं, मैंने कहा मैं 100 फीसदी निश्चित हूं। शुभमन ने हरभजन के भरोसे को बनाये रखते हुए अपने दूसरे ही मैच में ही असम के खिलाफ 121 रन की शतकीय पारी खेली। उन्होंने रणजी ट्रॉफी में भी पंजाब की ओर से दूसरे ही मैच में 129 रन बनाए थे। हरभजन ने कहा, 'जब वह पहली बार पंजाब के लिए खेला तो मुझे लग गया कि उनके पास तेज गेंदबाजी खेलने के लिए बहुत समय है। वह छोटी गेंदों को बहुत अच्छा खेलते हैं, जो उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने योग्य बनाता है। वह छोटी गेंद को स्क्वैर लेग की जगह मिड-ऑन और मिड-विकेट की ओर खेलते हैं, जो दिखाता है कि उनके पास कितना समय है।'

भारतीय टीम में जगह पानेके बाद शुभमन ने अपने खेल से सभी का ध्यान खींचा है। इस युवा बल्लेबाज ने जिम्बाब्वे दौर में भी शानदार प्रदर्शन किया है। जिससे उन्हें मैन ऑफ द सीरीज का अवार्ड भी मिला है।

टी20 क्रिकेट से खिलाड़ियों को मिले कई अवसर : स्टोक्स

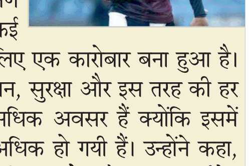

लंदन । इंग्लैंड के ऑलराउंडर बेन स्टोक्स ने कहा है कि टी20 क्रिकेट को कुछ लोगों ने एक व्यवसाय बना दिया है। स्टोक्स के अनुसार आज जिस तरह से फ्रैंचाइजी क्रिकेट चल रहे हैं उससे यह एक कारोबार बन गया है। आज बहुत सारी फ्रैंचाइजी सामने आई हैं जिनके पास दुनिया भर में और विभिन्न देशों में कई टीमें हैं। इसमें भारत की आईपीएल, कैरेबियाई देशों की (प्रीमियर) लीग के बाद दक्षिण अफ्रीका और यूएई भी लीग क्रिकेट शुरु कर रहे हैं। इस प्रकार देखा जाये तो कई फ्रेंचाइजी टीमें बनी हैं जिससे यह कहा जा सकता है कि टी20 कुछ लोगों के लिए एक कारोबार बना हुआ है। स्टोक्स ने कहा कि यह एक प्रकार से अच्छा भी है। इससे क्रिकेट के बाहर जीवन, सुरक्षा और इस तरह की हर चीज के मामले में खिलाड़ियों के लिए 15 साल पहले की तुलना में बहुत अधिक अवसर हैं क्योंकि इसमें अच्छा पैसा शामिल है। टी20 लीग 15-20 साल पहले की तुलना में बहुत अधिक हो गयी हैं। उन्होंने कहा, पेशेवर खेल में एक करियर बहुत कम अवधि के लिए होता है। आप न केवल जितना हो सके अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलना चाहते हैं। ऐसे में आपको भविष्य के बारे में भी सोचना होगा। उसको देखें तो टी20 ने खिलाड़ियों को आर्थिक सुरक्षा का अवसर दिया है। क्रिकेट जगत के अधिक टी20 मैचों के पक्ष में होने के बाद भी स्टोक्स को उम्मीद है कि टेस्ट क्रिकेट भविष्य में भी बना रहेगा। उन्होंने कहा, मैं टेस्ट क्रिकेट को खत्म होते नहीं देखता। मैं इस प्रारूप का बहुत बड़ा एमबेस्डर हूं। यह क्रिकेट का शिखर है, टेस्ट मैच इसका शुद्धतम रूप है। मैं कभी भी टेस्ट मैच क्रिकेट को कहीं भी जाते हुए नहीं देख सकता। भले ही टी20 क्रिकेट ने खेल का चेहरा बदल दिया है, टेस्ट मैच क्रिकेट अभी भी मेरी राय में खेल का शिखर है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रकृति की गोद में बसा है चांगलांग

अरुणाचल प्रदेश का चांगलांग प्राकृतिक सौंदर्य, विविधतापूर्ण संस्कृति, अनूठी परंपराओं और सुरम्य पहाड़ियों के लिए जाना जाता है। सुंदर घाटियों के बीच और ऊंचे पहाड़ों से घिरे चांगलांग की ऊंचाई 200 मीटर से 4500 मीटर है। चांगलांग मानव जाति के लिए प्रकृति के किसी उपहार से कम नहीं है। चांगलांग की लंबी पर्वत श्रृंखलाओं की गोद में पर्यटक ताजगी और सुकून महसूस करते हैं।

चांगलांग आने का सही समय

चांगलांग में पूरे साल सुखद जलवायु रहती है। हालांकि, नवंबर से फरवरी के सर्दियों के महीने में यहां का 12 डिग्री सेल्सियस से 28 डिग्री सेल्सियस तक रहता है।

चांगलांग के दर्शनीय स्थल

द्वितीय विश्व युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की कब्र

प्राचीन प्राकृतिक सौंदर्य और जीवंत संस्कृति से समृद्ध चंगलांग ऐतिहासिक युद्धों का गवाह रह चुका है। द्वितीय विश्व युद्ध में मारे गए सैनिकों के लिए यहां कब्रिस्तान बना है, जिसे जयरामपुर कब्रिस्तान के रूप में भी जाना जाता है। निराशाजनक यादों और भयावहता का एक रूप चांगलांग के मैदान में दफन है जहां द्वितीय विश्व युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की कब्र हैं। यहां दफन शहीद भारत, चीन, अमेरिका और ब्रिटेन जैसे कई देशों के हैं। यह स्थान न केवल अतीत में लिए गए मानव के गलत एवं घातक निर्णयों का साक्षी है, बल्कि आपको उस समय असहायता और नुकसान का भी सामना करवाता है।

नामदफा नेशनल पार्क और टाइगर रिजर्व

इसे वर्ष 1983 में सरकार द्वारा एक प्रसिद्ध टाइगर रिजर्व घोषित किया गया। भारत के चांगलांग में स्थित नामदफा नेशनल पार्क एक आश्चर्यजनक पार्क है, जो बड़े पैमाने पर 1985.25 वर्ग किलोमीटर भूमि के क्षेत्र में फैला हुआ है। पराक्रमी हिमालयी पर्वतमाला के करीब स्थित यह पार्क 200 मीटर से 4500 मीटर के बीच विभिन्न ऊंचाइयों पर फैला हुआ है। वनस्पतियों और जीव-जंतुओं के अद्भुत आकर्षण के साथ इस पार्क में बाघ, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, हाथी और हिमालयी काले भालू जैसे वन्यजीवों के कुछ बेहतरीन किस्में मौजूद हैं। पर्यटकों को इस पार्क में रहने वाले जानवर बहुत आकर्षित करते हैं।

मियाओ

नोआ-देहिंग नदी के तट पर एक छोटा सा कस्बा है मियाओ। यह चांगलांग की सबसे सुरम्य बस्तियों में से एक है। यह स्थान कुछ तिब्बती शरणार्थियों का भी घर है, जो आश्चर्यजनक डिजाइन और बेहतरीन ऊनी कालीनों का उत्पादन करते हैं। चांगलांग में स्थित मियाओ आपको अपने मंत्रमुग्ध करने वाले नजारों से विस्मित कर देगा है।

लेक ऑफ नो रिटर्न

लेक ऑफ नो रिटर्न का न केवल नाम अनूठा है, बल्कि इसके पीछे एक दिलचस्प कहानी भी है। इतिहास के अनुसार झील द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान दुश्मनों द्वारा मारे गए हवाई जहाजों की आसान लैंडिंग में सहायता करती थी। इसी काम के लिए झील का उपयोग करने के दौरान कई एयरक्राफ्ट लैंडिंग करते समय इसी जगह पर मारे गए और इसलिए इस झील का ये नाम पड़ा।

चांगलांग कैसे पहुंचें?

हवाई मार्ग द्वारा: चांगलांग का निकटतम हवाई अड्डा असम के डिब्रूगढ़ में स्थित मोहनबाड़ी है, जो शहर से लगभग 182 किमी की दूरी पर है। हवाई अड्डे से चांगलांग के लिए नियमित कैब सेवाएं उपलब्ध हैं।

रेल मार्ग द्वारा: चांगलांग का निकटतम रेलवे स्टेशन असम के तिनसुकिया में स्थित है, जो शहर से लगभग 141 किमी की दूरी पर स्थित है और देश के अन्य हिस्सों से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है।

सड़क मार्ग द्वारा: चांगलांग बस स्टेशन देश के सभी प्रमुख हिस्सों से रोडवेज के माध्यम से जुड़ा हुआ है।

अरुणाचल प्रदेश के प्रमुख पर्यटन और दर्शनीय स्थल

अगर आप अरुणाचल प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों की यात्रा करने की योजना बना रहे हैं तो आप निम्न पर्यटन स्थलों को अपनी यात्रा की सूची में शामिल कर सकते हैं।

प्रमुख के पर्यटन स्थल तवांग

तवांग अरुणाचल प्रदेश का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो अपनी खूबसूरती से पर्यटकों को बेहद आकर्षित करता है। लगभग 3048 मीटर की ऊंचाई पर स्थित तवांग महत्वपूर्ण और सुंदर मठों के लिए जाना जाता है और दलाई लामा के जन्म स्थान के रूप में प्रसिद्ध है। तवांग एक ऐसी जगह है, जो आध्यात्मिकता की खुशबू में लिपटी अपनी प्राकृतिक सुंदरता से आपको रोमांचित करेगी। सुंदर आर्किड अभयारण्य और टिपी ऑर्किड अभयारण्य तवांग में घूमने की अच्छी जगहों में शामिल हैं। यात्रा के दौरान इस क्षेत्र के अनूठे व्यंजनों का लुत्फ उठाना न भूलें।

प्रमुख दर्शनीय स्थल ईटानगर

अरुणाचल प्रदेश की राजधानी इटानगर एक प्राकृतिक स्वर्ग है, जो हिमालय के पर उत्तरी छोर पर स्थित है। हाल ही में इटानगर को सरकार द्वारा पर्यटकों के लिए खोला गया है। शहर की विरासत और आदिवासी संस्कृति, जो दशकों और सदियों पुरानी है वो आज भी यहां बरकरार है। 15 वीं शताब्दी का इटा-किला, पौराणिक गंगा झील, जिसे ग्यार सिनि और बुद्ध विहार के नाम से जाना जाता है, दलाई लामा द्वारा संरक्षित यह महत्वपूर्ण आकर्षण हैं। यहां का मौसम पर्यटकों को आकर्षित करता है। यूपिया शहर राज्य का प्रमुख आकर्षण है। आप दोनों शहरों को एक साथ कवर कर सकते हैं। आप अरुणाचल प्रदेश की यात्रा करने जा रहे हैं तो आपको इटानगर को यात्रा सूची में जरूर शामिल करना चहिए।

घूमने लायक जगह जीरो

जीरो अरुणाचल प्रदेश में एक विचित्र पुराना शहर है, जो अपा तानी जनजाति का घर है और अपनी देवदार की पहाड़ियों और चावल के खेतों के लिए प्रसिद्ध है। जीरो में जलवायु हल्की होती है, जिससे पूरे वर्ष यात्रा करना आरामदायक होता है।

देखने लायक जगह बोमडिला

बोमडिला अरुणाचल प्रदेश का एक सुंदर शहर है। बोमडिला कई स्थानों जैसे मंदिरों और वन्यजीव अभयारण्यों से भरपूर है। यहां पर बौद्ध और हिंदू दोनों मंदिर यहां पाए जाते है। इसके अलावा यहां पर्यटक सेब के बगीचे और ईगल नेस्ट वाइल्डलाइफ अभयारण्य की सैर भी कर सकते हैं।

आकर्षण स्थल भालुकपोंग

भालुकपोंग अरुणाचल प्रदेश का प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो प्रकृति प्रेमी का स्वर्ग होने के अलावा कई वन्यजीवों को एक्स्प्लोर करने का मौका देता है। भालुकपोंग वातावरण से कई गतिविधियों की मेजबानी करता है। यहां जगल में बहने वाली कामेंग नदी शहर को और आकर्षक बनाती है। भालुकपोंग में आप पैदल यात्रा, ट्रेकिंग, कैंपिंग और फिशिंग का मजा ले सकते हैं। पखुई खेल अभयारण्य में बाघों, हाथी। बार्किंग डियर के साथ पक्षियों को देख सकते हैं।

दर्शनीय स्थल रोइंग

रोइंग यहां का प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो बर्फ से ढकी पहाड़ियों, गहरी घाटियों, अशांत नदियों, झरने, शांत झीलों, पुरातात्विक स्थल, शांति स्थलों से भरा है। जो भी पर्यटक यहां आता है, वो कभी निराश होकर नहीं जाता। रोइंग में प्रकृति प्रेमियों के लिए कई झीलें और घाटियां हैं, जो इसे स्वर्ग बनाती हैं। भीष्मनगर किला और नेहरू उद्योग इसके ऐतिहासिक महत्व को बताते हैं।

पर्यटन स्थल खोंसा

समुद्र तल से 1,215 मीटर औसत ऊंचाई पर, खोंसा एक सुंदर सा हिल स्टेशन है, जो प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है। खोंसा अरुणाचल प्रदेश में तिरप जिले का मुख्यालय है और यह हिमालय पर्वतमाला से घिरे तिरप घाटी में स्थित है। खोंसा के मुख्य आकर्षण धाराएं, गहरी घाटियां, घने जंगल और बर्फ से ढकी पहाड़ियां हैं, जो पर्यटकों को यहां आने के लिए मजबूर करती हैं। पूर्व में म्यांमार की सीमा के साथ खोंसा एक सैन्य क्षेत्र है।

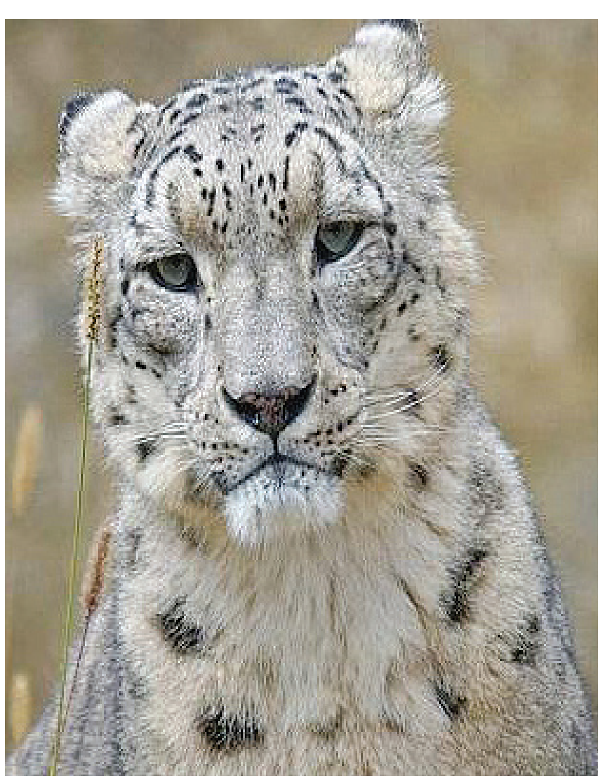

अरुणाचल प्रदेश का खूबसूरत कमलंग

वन्यजीव अभयारण्य

अगर आप प्रकृति के करीब जाकर कुछ अलग अनुभव करना चाहते हैं, तो आप अरुणाचल प्रदेश की यात्रा का प्लान बना सकते हैं। अरुणाचल प्रदेश, भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में से एक है, जो पूर्व में भूटान, उत्तर और पूर्वोत्तर में चीन, दक्षिणपूर्व में म्यांमार और दक्षिण में असम और नागालैंड राज्यों से घिरा हुआ है। पर्यटन के लिहाज से यह राज्य काफी खास माना जाता है, जहां दूर-दूर से सैलानी अपने मनोरंजन और रोमांच को दोगना करने के लिए आते हैं। एक शानदार अवकाश के लिए आप यहां का प्लान अपने परिवार या दोस्तों के साथ बना सकते हैं। इस राज्य का इतिहास कई हजार साल पुराना है, जिसका उल्लेख हिंदू धर्म के महाकाव्यों में भी मिलता है। यहां चारों तरफ फैले पहाड़ और हरियाली को देखकर पर्यटक काफी रोमांचित हो उठते हैं। यहां स्थित बौद्ध मठ विश्व भर में प्रसिद्ध हैं, आत्मिक और मानसिक शांति के लिए यहां दुनिया भर से नामचीन लोगों का भी आगमन होता है। अरुणाचल प्रदेश में पक्षियों की 500 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें से कई अत्यधिक लुप्तप्राय हैं। अरुणाचल प्रदेश निर्मल पहाड़ों से भरा हुआ है जो सर्दियों के दौरान पर्यटकों की यात्रा को यादगार बनाते हैं और लुहावने दृश्य प्रस्तुत करते हैं। पहाड़ी आकर्षण से अलग यहां के वन्यजीव अभयारण्य सैलानियों को काफी ज्यादा प्रभावित करते हैं। इस आलेख में जानिए अरुणाचल प्रदेश के खूबसूरत कमलंग वन्यजीव अभयारण्य के बारे में, यह अभयारण्य आपको किस प्रकार आनंदित कर सकता है।

कमलंग वन्यजीव अभयारण्य

कमलंग वाइल्ड लाइफसेंचुरी, अरुणाचल प्रदेश का एक खूबसूरत वन्यजीव अभयारण्य है, जो राज्य के लोहित जिले में स्थित है। इस अभयारण्य को 1989 में स्थापित किया गया था। चूंकि यह आरक्षित वन क्षेत्र यहां की कमलंग नदी के आसपास विकसित है, इसलिए इसका नाम नदी के नाम पर रखा गया था। यह सेंचुरी न सिर्फ वनस्पति और जंगली जीवों को सुरक्षित आश्रय प्रदान करती है, बल्कि मिसमी, दिगारु, मिजो जैसी कई जनजातियां भी इसी अभयारण्य के आसपास रहती हैं।

इन जनजातियों को मानना है कि ये महाभारत के रुकमो नामक राजा के वंशज हैं। हालांकि इस बात में कितनी सच्चाई है, इस बात का कोई सटीक प्रमाण नहीं मिलता। उष्णकटिबंधीय और उप उष्णकटिबंधीय जलवायु क्षेत्रों में स्थित यह अभयारण्य भारत की चार बड़ी बिल्ली प्रजातियों (बाघ, तेंदुआ, स्नो लेपर्ड और क्लाउडेड लेपर्ड) का निवास स्थान भी है। कमलंग वन्यजीव अभयारण्य लोहित जिले के दक्षिण-पूर्व भाग में स्थित है और 783 वर्ग किमी के क्षेत्र में फैला है। यहां कई खूबसूरत जलाशय भी मौजूद हैं, जिनमें ग्लो झील और परशुराम कुंड काफी लोकप्रिय हैं। ये जलाशय काफी ऊंचाई पर स्थित है, जहां पहुंचने के लिए आपको ट्रेकिंग का सहारा लेना होगा। परशुराम कुंड के दर्शन करने के लिए काफी संख्या में श्रद्धालुओं का भी आगमन होता है। आगे जानिए इस अभयारण्य से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां।

आने का सही समय

कमलंग वाइल्ड लाइफ सेंचुरी का भ्रमण आप किसी भी समय कर सकते हैं, यहां का मौसम सालभर शानदार बना रहता है, लेकिन यहां आने का आदर्श समय अक्टूबर से लेकर अप्रैल के मध्य का बताया जाता है, क्योंकि इस दौरान यह अभयारण्य हरियाली से भरा रहता है। इस दौरान आप यहां अपने आनंद को दोगना कर सकते हैं।

पूर्वोत्तर भारत का अरुणाचल प्रदेश हमेशा से ही देश के अनन्वेषित (अनिक्स्प्लॉर्ड) स्थलों में रहा है। इसके पीछे का कारण यातायात और कनेक्टिविटी की कमी है, लेकिन इसके बावजूद इस पर्वतीय राज्य की प्राकृतिक खूबसूरती को नकारा नहीं जा सकता है। अरुणाचल प्रदेश पर्यटन के लिहाज से एक समृद्ध भूखंड है, यहां घूमने-फिरने और देखने के लिए कई शानदार स्थल मौजूद है। जायकेदार व्यंजनों से लेकर आप यहां शानदार बायोडायवर्सिटी स्पॉट्र्स का भी आनंद उठा सकते हैं।

एक ट्रैवलर की यात्रा को यादगार बनाने के लिए यहां बहुत कुछ उपलब्ध है। यहां के जलप्रपात भी सैलानियों को काफी ज्यादा प्रभावित करते है। इस लेख में जानिए अरुणाचल प्रदेश के चुनिंदा सबसे खास जलप्रपातों के बारे में, जिन्हें आप अपनी पूर्वोत्तर की यात्रा डायरी का हिस्सा बना सकते हैं।

नूरानंग जलप्रपात

अरुणाचल प्रदेश के जलप्रपातों की सैर आप यहां से सबसे प्रसिद्ध नूरानंग फॉल से कर सकते है। यह झरना राज्य का लोकप्रिय पर्यटन स्थल गिना जाता है। 100 मीटर की अपनी ऊंचाई के साथ यह निस्संदेह पूर्वोत्तर भारत में सबसे खूबसूरत झरनों में से एक है। इस जलप्रपात को बोंग-बोंग फॉल्स के नाम से भी जाना जाता है। नूरानंग जलप्रपात बोमडिला और तवांग को जोड़ने वाली सड़क के पास जंग से कुछ किमी की दूरी पर स्थित है। जलप्रपात के आधार पर एक छोटा विद्युत संयंत्र भी लगाया गया है। तवांग नदी से जुड़ा यह जलप्रपात चट्टानी पहाड़ियों की ढलान से नीचे गिरता है। जिसकी आवाज बहुत दूर से भी सुनी जा सकती है। इस झरने का नाम एक नूरा नाम की एक मोन्पा लड़की पर पड़ा है, जिसने 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान एक भारतीय सैनिक की मदद की थी। इसके अलावा इसके दृश्यों को बॉलीवुड की फिल्मों में भी दर्शाया गया है, अगर आपको फिल्म कोयला याद है, तो उसमें एक गीत की पृष्ठभूमि के लिए इस जलप्रपात का चयन किया गया था। यह एक खास झरना है, आपको यहां जरूर आना चाहिए।

बिरसा मुंडा झरना

नूरानंग जलप्रपात के अलावा भी आप अरुणाचल प्रदेश के अन्य जलप्रपातों की सैर का प्लान बना सकते हैं। आप यहां के बिरसा मुंडा झरने की सैर कर सकते हैं। यह जलप्रपात राज्य के मेचुका जाने वाले रास्ते के दौरान पड़ता है। हालांकि यह एक अज्ञात झरना, जिसके विषय में अधिकांश ट्रैवलर नहीं जानते हैं। यहां तक आप स्थानीय निवासियों की मदद से पहुंच सकते हैं। प्राकृतिक खूबसूरती के मध्य बसा यह झरना आत्मिक और मानसिक शांति का अनुभव कराता है। खासकर प्रकृति प्रेमियों और फोटोग्राफी के शौकीनों के लिए यह एक आदर्श जगह है। अगर आप अज्ञात स्थलों की सैर के साथ रोमांच का शौक रखते हैं, तो यहां जरूर आएं। बिरसा मंडा जलप्रपात की खूबसूरत आपको सच में वशीभूत कर लेगी।

बाप तेंग कांग

अगर आप अपने पर्यटन क्षेत्र का विस्तार करना चाहते हैं तो अरुणाचल प्रदेश के तवांग से 82 किमी दूर स्थित बाप तेंग कांग जलप्रपात की सैर कर सकते हैं। 100 फीट की ऊंचाई वाला यह झरना यहां के सबसे ज्यादा देखे जाने वाले पर्यटन स्थलों में से एक है, जहां सैलानी जाना पसंद करते हैं। यह झरना प्रकृति प्रेमियों को अपने अद्भुत दृश्यों के साथ आकर्षित करता है। यह जलप्रपात बीटीके वॉटरफॉल के नाम से भी प्रसिद्ध है। यहां साफ पानी आपको नहाने के लिए जरूर मजबूर करेगा। एक शानदार अनुभव के लिए आप इस स्थल को अपनी यात्रा डायरी का हिस्सा बना सकते हैं।

सिर्की जलप्रपात

बिरसा मुंडा जलप्रपात की तरह है, सिर्की जलप्रपात एक अज्ञात झरना है, जहां ज्यादातर ट्रैवलर पहुंच ही नहीं पाते। यह जलप्रपात राज्य के पासीघाट में स्थित है। यह एक खास स्थल है, जहां आप प्राकृतिक नजारों का लुत्फ उठाने के साथ-साथ ट्रेकिंग, हाइकिंग, पिकनिक जैसी रोमांचक गतिविधियों का भी आनंद उठा सकते हैं। इसके अलावा एडवेंचर के शौकीन यमबंग और सिर्की से पासीघाट तक राफ्टिंग का रोमांचक अनुभव भी ले सकते हैं। अपनी अरुणाचल प्रदेश की यात्रा को यादगार बनाने के लिए आप यहां जरूर आएं।

जलप्रपातों की अलावा: गंगा झील

जलप्रपातों के अलावा आप यहां जलीय आकर्षणों में राज्य की गंगा झील की सैर का प्लान भी बना सकते हैं। यह एक प्रसिद्ध झील है, जो राजधानी इटानगर से कुछ किमी दूर स्थित है। इस झील को इसके आसपास का प्राकृतिक माहौल खास बनाने का काम करता है। यहां की पहाड़ियां इस झील को जीवंत रूप प्रदान करती है। पर्यटन को ध्यान में रखते हुए यहां बोटिंग सुविधा उपलब्ध है। एक शानदार अनुभव के लिए आप यहां जा सकते हैं।

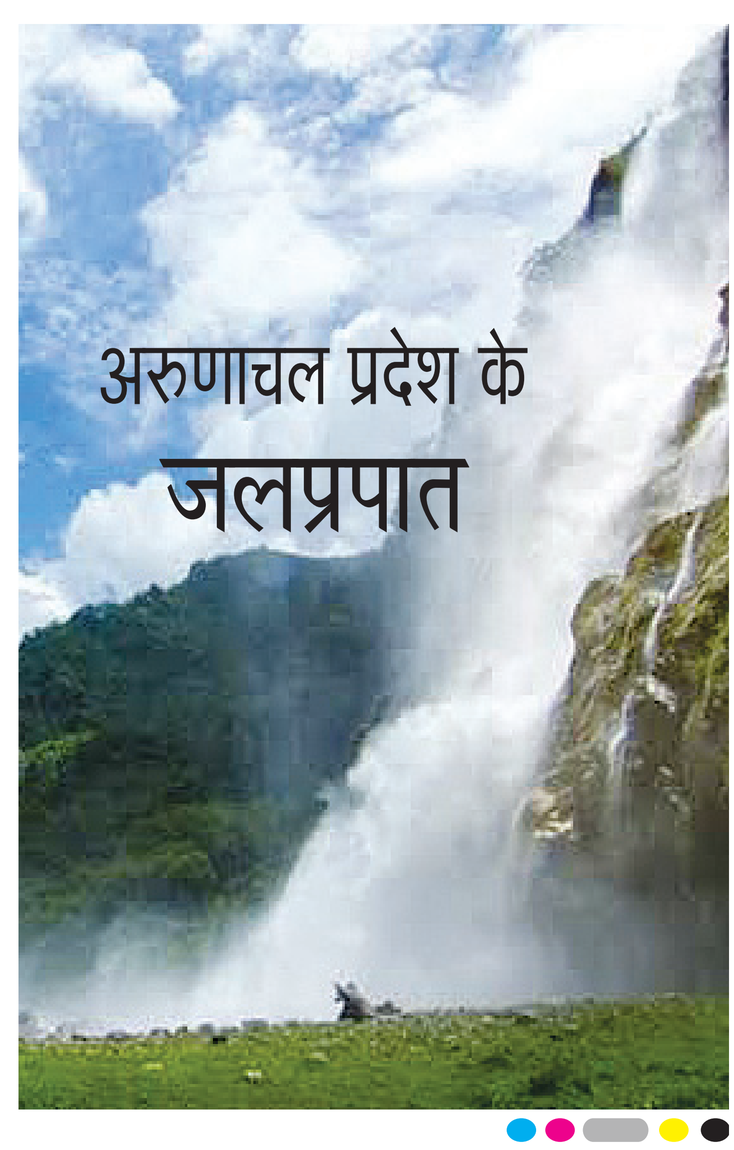

अरुणाचल प्रदेश के जलप्रपात

बांग्लादेश में बिजली बचाने के लिए स्कूलों की छुट्टियां बढ़ी, सरकारी कार्यालय और बैंकों में भी दी गई छूट

ढाका। बांग्लादेश में बिजली उपभोग को कम करने के लिए विद्यालयों की साप्ताहिक छुट्टी को एक और दिन बढ़ाकर दो दिन कर दिया गया है, जबकि सरकारी कार्यालयों और बैंकों के कामकाजी समय में एक घंटे की कटौती की गई है। यूक्रेन युद्ध के असर से ईंधन की बढ़ती कीमतों के बीच बांग्लादेश ने ये कदम उठाए हैं। कामकाज के घंटों में कटौती बुधवार से प्रभावी हो जाएगी। कैबिनेट सचिव खांडकर अनवारुल इस्लाम ने सोमवार को कहा कि बांग्लादेश में अधिकांश स्कूल शुक्रवार को बंद रहते हैं, लेकिन अब शनिवार को भी बंद रहेंगे। उन्होंने कहा कि सरकारी कार्यालय और बैंक अपने प्रतिदिन के कामकाज की अवधि को पहले आठ घंटों से घटाकर सात घंटे कर देंगे, लेकिन निजी कार्यालयों को अपना कार्यक्रम निर्धारित करने की अनुमति होगी। यूक्रेन युद्ध के चलते आपूर्ति में व्यवधान के कारण ईंधन और भोजन की कीमतें दुनियाभर में बढ़ गई हैं। बांग्लादेश अपने गिरते विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव कम करने के लिए हाल के हफ्तों में उपाय कर रहा है। पिछले महीने ईंधन की कीमतों में 50 फीसदी से अधिक की वृद्धि की गई थी। सरकार का कहना है कि वह एक विशेष व्यवस्था के तहत रूस से सस्ता ईंधन प्राप्त करने के विकल्प तलाश रही है। इस फैसले की आलोचना हुई है, लेकिन सरकार ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय ईंधन की बढ़ती कीमतों के बीच घाटा कम करना आवश्यक है। हाल के हफ्तों में ऊंची कीमतों के खिलाफ छोटे-मोटे विरोध प्रदर्शन हुए हैं, लेकिन सरकार ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कीमतों में नरमी आने के बाद घरेलू कीमतों को समायोजित किया जाएगा।

जेल में वार्डन महिला कैदियों को निर्वस्त्र कर लेता था तस्वीरें, करता था यौन शोषण

वाशिंगटन । कैलिफोर्निया में महिला कारागार के वॉर्डन रह चुके रे गार्सिया पर दो अन्य महिला कैदियों के यौन शोषण के आरोप लगाए गए हैं। उस पर पहले ही कैदियों के यौन उत्पीड़न और उन्हें जबरदस्ती निर्वस्त्र करने के आरोप हैं। 55 साल का रे गार्सिया कैलिफोर्निया के डबलिन में संघीय सुधार संस्थान में वार्डन था। यहां सालों से कैदियों के साथ दुर्व्यवहार किए जाने का खुलासा हुआ। यहां महिलाओं की इकाई को तो रे क्लब तक बुलाया जाने लगा था।
न्याय विभाग ने गार्सिया के खिलाफ कुल सात लोगों के साथ यौन दुराचार करने का आरोप लगाया। इनमें डबलिन के संघीय कारागार में सजा काट रहीं तीन महिला कैदी भी शामिल रहीं। इसके अलावा, उस पर सरकारी अधिकारियों को झूठे बयान देने के भी आरोप लगे हैं। गार्सिया को पिछले साल सिंतबर में गिरफ्तार किया गया था, जब उसने एक महिला कैदी के साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की थी। इतना ही नहीं, उसने एक अन्य कैदी को निर्वस्त्र कर उसे पोज देने के लिए कहा था जिसकी उसने तस्वीरें भी लीं। पिछले साल जब एफबीआई के अधिकारियों ने उसके दफ्तर में छापेमारी की, तो उन्हें गार्सिया के लैपटॉप, कम्प्यूटर और फोन में बिना कपड़ों में कैदियों की पोज वाली तस?वीरें मिलीं। न्याय विभाग ने कहा, दिसंबर 2019 से लेकर मार्च 2020 तक कैदियों के साथ अत्याचारों का सिलसिला जारी रहा और इस पर तब रोक लगी जब देश में कोरोना के दस्तक देने के बाद महिलाओं को उनके सेल में लॉक कर दिया गया। गार्सिया ने सुनवाई के दौरान अपनी सफाई में कहा, कैदियों को कपड़े बदलते वक्त मैंने देखा है। हालांकि, ऐसा बिल्कुल भी नहीं है कि मैं टाइम देखता रहता था कि अब वे कपड़े बदलेंगी और अब मुझे जाना चाहिए उन्हें निर्वस्त्र देखने के लिए। सरकारी पक्ष के वकील ने कहा, गार्सिया गिरफ्तार होने के एक महीने बाद रिटायर हुआ है। वह एक कैदी को यह कहकर भी डराया करता था कि वह यहां कैदियों के गलत रवैये की जांच करने वाले एक अधिकारी का करीबी दोस्त है और उसे यहां से निकाल पाना किसी भी कैदी के बस में नहीं है। गार्सिया पर एक और आरोप है कि उसने मार्च 2020 और जुलाई 2021 के बीच दो अन्य महिला कैदियों का यौन शोषण किया। एक के साथ जेल के बाथरूम में और दूसरे के साथ गोदाम में गलत आचरण किया। जब जांच अधिकारियों ने उससे पूछताछ की थी कि क्या उसने कभी किसी महिला कैदी के साथ अभद्र व्यवहार किया तो गार्सिया ने न कहा था। गार्सिया के अलावा, जेल के चार अन्य कर्मचारियों के खिलाफ भी कैदियों के साथ यौन दुराचार करने के आरोप लगे हैं। इनमें से एक को अगले हफ्ते से जेल की सजा काटनी होगी।

बाइडन के आदेश पर अमेरिकी सेना ने सीरिया में ईरानी सेना के ठिकाने तबाह किए

बेरूत ।अमेरिका के राष?ट्रपति जो बाइडन के आदेश पर अमेरिकी सेना ने पूर्वी सीरिया में ईरान के अर्द्धसैनिक रिवोल्यूशनरी गार्ड समर्थित मिलिशिया की ओर से इस्तेमाल किए जाने वाले क्षेत्रों को निशाना बनाकर हवाई हमले किए। सेना ने बुधवार तड़के यह जानकारी दी। सीरिया की सरकारी मीडिया और ईरान ने दीर एज़-जोर को निशाना बनाने वाले हमलों की तत्काल कोई पुष्टि नहीं की है। अमेरिकी सेना के मध्य कमान के अनुसार हमले लक्षित थे, जिसका मकसद जोखिम तथा जानमाल के नुकसान को कम करना था। हालांकि, अमेरिकी सेना ने निशाना बनाए गए क्षेत्रों की पहचान नहीं की और न ही हमलों से जानमाल के नुकसान की कोई जानकारी दी। अमेरिकी सेना ने कहा कि राष्ट्रपति जो बाइडन के आदेश पर ये हवाई हमले किए गए। मध्य कमान के प्रवक्ता कर्नल जो बुकिनो ने एक बयान में कहा ?कि आज के हमले अमेरिकी कर्मियों की सुरक्षा के लिए जरूरी थे। कर्नल बुकिनो ने बताया कि यह हमला 15 अगस्त को अमेरिकी बलों को निशाना बनाकर किए गए हमले के जवाब में किया गया। गौरतलब है कि 15 अगस्त को हुए हमले में ईरान समर्थित मिलिशिया द्वारा कथित तौर पर भेजे गए ड्रोन ने अमेरिकी बलों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले अल-तंफ सैन्य अड्डे को निशाना बनाया था। दीर एज़-जोर सामरिक रूप से महत्वपूर्ण प्रांत है, जिसकी सीमा इराक से लगती है। यहां तेल के कई स्रोत हैं।

न्यूयॉर्क में प्राइमरी चुनाव में जेरी नाडलर ने कैरोलिन मैलोनी को हराया

न्यूयॉर्क ।अमेरिका के न्यूयॉर्क में हुए डेमोक्रेटिक पार्टी के प्राइमरी चुनाव में जेरी नाडलर ने कैरोलिन मैलोनी का मात दी। नाडलर अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ महाभियोग चलाने की कवायद का दो बार नेतृत्व कर चुके हैं। अदालत ने इन दोनों अमेरिकी प्रतिनिधियों को न्यूयॉर्क शहर कांग्रेस जिले से चुनाव लड़ने का निर्देश दिया था। चुनावी जिलों की सीमाओं में बदलाव की प्रक्रिया में मैनहट्टन के पश्चिम में नाडलर (75) के गढ़ को पूर्व में मैलोनी (76) के क्षेत्र से जोड़ दिया गया था, जिसके बाद दोनों कहीं और से चुनाव लड़ने को तैयार नहीं थे। नाडलर की जीत के साथ ही कांग्रेस में मैलोनी का 30 साल का सफर समाप्त हुआ। उन्होंने वकील एवं न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय के व्याख्याता सूरज पटेल (38) को भी मात दी। पटेल की डेमोक्रेटिक कांग्रेस के प्राइमरी चुनाव में यह लगातार तीसरी हार है। नाडलर पहली बार 1992 में कांग्रेस के लिए चुने गए थे। हाउस ज्यूडिशियरी कमेटी के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ महाभियोग का नेतृत्व किया था।

चार महीने बाद दिखाई दी सूरज की रोशनी

अंटार्कटिका। अगस्त के शुरुआती महीने में कॉनकोर्डिया रिसर्च स्टेशन के 12 सदस्यों वाले क्रू की खुशी का ठिकाना नहीं रहा, जब उन्होंने चार महीने बाद सूरज की रोशनी देखी। आखिरकार अंटार्कटिका में चार महीने बाद सर्दियां खत्म हुईं और मौसम बदला। सूरज का निकलना वैज्ञानिकों के लिए कई मायनों में महत्वपूर्ण है। इस साल मई में यहां सूरज अस्त हुआ था और इसके दोबारा उगने का वैज्ञानिक बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। अंटार्कटिका एकदम दक्षिण में है और यहां पर सूरज का निकला एक बड़ी घटना माना जाता है। यूरोपियन स्पेस एजेंसी की तरफ से एक ब्लॉग लिखकर और फोटोग्राफ शेयर कर इसकी जानकारी दी गई है। अंतरिक्ष एजेंसी की तरफ से भेजे गए डॉक्टर हेंस हैगसन ने स्टेशन के मेन डोर से इस खूबसूरत नजारे की फोटोग्राफ शेयर की है। 5 अगस्त को यहां पर सूरज निकला था और हैगसन ने तभी फोटोग्राफ क्लिक की। उन्होंने लिखा, 'यहां पर समय बड़ा अजीब है और ये तेजी से गुजरता है और इसी समय वो काफी धीमा भी हो जाता है।' उन्होंने आगे लिखा, 'सिर्फ दो दिनों के अंदर हम उम्मीद कर रहे थे कि दक्षिण में सूरज निकलने वाला है। सुबह की रोशनी की वापसी ने निश्चित तौर पर हमें मुस्कुराने की एक वजह दी है और अब इस एडवेंचर का आखिरी दौर शुरू होने वाला है।' अंटार्कटिका में सर्दियां बहुत ही सख्त होती हैं और तापमान-80 डिग्री से भी नीचे चला जाता है। रोशनी बिल्कुल नहीं होती है और एकदम अंधेरा किसी को भी दहशत में लाने के लिए काफी है। सर्दियों में खुद को बिजी रखने के लिए क्रू को काफी मेहन त करनी पड़ती है। जून में मिड विंटर नाम से एक कार्यक्रम का आयोजन होता है तो जुलाई में विंटर गेम्स होते हैं। अंटार्कटिका में जितने भी स्टेशंस हैं उसके क्रू कई गेम्स और फ्रेंडली कॉम्पटीशंस में हिस्सा लेते हैं। अगस्त में सूरज का निकलना कई मायनों में खास है। अब यहां पर वैज्ञानिक कई तरह की रिसर्च कर सकते हैं।

ब्राजील में राष्ट्रपति जेयर बोलसोनारो पुर्तगाल के राजा डोम पेड्रो के अवशेषों के लाये जाने के समारोह का स्वागत करते हुए।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने यूक्रेन के प्रति दिखाई एकजुटता, सूरजमुखी के फूलों से सजाया कार्यालय

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने यूक्रेन के साथ एकजुटता दिखाने के लिए वहां के राष्ट्रीय पुष्प सूरजमुखी से मंगलवार को अपने डाउनिंग स्ट्रीट कार्यालय के द्वार को सजाया। यूक्रेन का स्वतंत्रता दिवस बुधवार को है और इसके उपलक्ष्य में जॉनसन ने पूर्वी यूरोप के इस देश के साथ एकजुटता दिखाने का निर्णय लिया। इसके साथ ही यूक्रेन पर रूस के हमले के छह महीने पूरे हो रहे हैं जो 24 फरवरी को शुरू हुआ था। जॉनसन ने क्रीमिया प्रायद्वीप पर आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को डिजिटल माध्यम से संबोधित करते हुए कहा, ''हम क्रीमिया या यूक्रेन के किसी अन्य क्षेत्र पर रूस के कब्जे को कभी मान्यता नहीं देंगे।'' गौरतलब है कि रूस ने 2014 में क्रीमिया पर आक्रमण कर उसे अपने कब्जे में ले लिया था। प्रधानमंत्री ने कहा, ''(रूस के राष्ट्रपति) व्लादिमीर पुतिन के हमले के मद्देनजर हम अपने मित्र राष्ट्र यूक्रेन को सभी प्रकार की सैन्य, मानवीय, आर्थिक और कूटनीतिक सहायता देना जारी रखेंगे।'' युद्ध शुरू होने के समय से ही जॉनसन यूक्रेन को सहायता देने के पक्षधर रहे हैं। वह अगले महीने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने वाले हैं।

भारत में चीनी आकाओं के इशारे पर चल रहे लोन गैंग का पर्दाफाश

हांगकांग-चीन भेज रहे थे संवेदनशील जानकारियां

नई दिल्ली।(एजेंसी)।

भारत में चीनी आकाओं के इशारे पर चल रहे इंस्टेंट लोन-कम-एक्सटॉर्शन गैंग का पर्दाफाश हुआ है। दिल्ल पुलिस ने दो महीने से अधिक समय तक चले एक ऑपरेशन में इस रैकेट का भंडाफोड़ कर देश के विभिन्न हिस्सों से 22 लोगों को गिरफ्तार किया। इस गैंग के तार पड़ोसी देश चीन से जुड़े हैं और इसमें कई चीनी नागरिक भी शामिल हैं।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह गिरोह चीनी आआकाओं के इशारे पर संचालित होता था और जबरन वसूली का पैसा हवाला और क्रिप्टोकरेंसी के जरिए चीन में भेजा जा रहा था। पुलिस के अनुसार, सैकड़ों शिकायतें दर्ज की गई थीं जिनमें आरोप लगाया गया था कि लोन उच्च ब्याज दरों पर दिए जा रहे थे और ब्याज सहित रकम की पूरी वसूली के बाद गिरोह लोगों से उनकी मॉर्फ्ड अश्लील तस्वीरों का उपयोग करके अधिक पैसे वसूल करता था।दिल्ली पुलिस के इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशन (आईएफएसओ) यूनिट ने इन शिकायतों का संज्ञान लिया और जांच के दौरान पाया कि इस तरह के 100 से अधिक शिकातें प्राप्त हुई थीं।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि यह गिरोह ऐप यूजर्स से कई अनुचित परमिशन मांग रहा था। ऐप यूजर्स के कॉन्टैक्ट्स, चैट, मैसेजों और फोटो का एक्सेस मिलने के बाद, यह गिरोह चीन और हांगकांग स्थित अपने सर्वरों पर संवेदनशील जानकारियां अपलोड करता था। छोटी मात्रा में लोन प्रदान करने की आड़ में ऐप विकसित किए गए थे। अधिकारी ने कहा कि यूजर्स ऐसे ऐपों में से किसी एक को डाउनलोड करते, ऐप को अनुमति देते और लोन की राशि मिनटों में उनके खाते में जमा हो जाती।

इसके बाद लोन लेने वाले व्यक्ति को विभिन्न नंबरों से कॉल आने शुरू हो जाते जो नकली आईडी पर प्राप्त किए गए थे, जो यह धमकी देते हुए पैसे की उगाही करते थे कि अगर उन्होंने रुपये नहीं दिए तो उनकी मॉर्फ्ड अश्लील तस्वीरें इंटरनेट पर अपलोड कर दी जाएंगी। डीसीपी ने कहा कि सामाजिक बदनामी और कलंक के कारण यूजर्स उन्हें पैसों का भुगतान करते थे, जिसे बाद में हवाला के माध्यम से या क्रिप्टोकरेंसी खरीदने के बाद चीन भेज दिया जाता था। एक व्यक्ति जिसे 5,000 से 10,000 रुपए तक के छोटे लोन की सख्त जरूरत होती थी, उसे बदले में कई लाख रुपए देने के लिए मजबूर किया जाता था। पुलिस ने कहा कि इसके कारण कई लोग आत्महत्या भी कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि गैंग ने कई खातों का इस्तेमाल किया और प्रत्येक खाते में प्रतिदिन 1 करोड़ रुपये से अधिक प्राप्त किए।

यूक्रेन में स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर रूसी बमबारी का डर

कीव (एजेंसी)।

यूक्रेन के स्वतंत्रता दिवस और इस पर रूसी हमले के छह महीने पूरे होने की पूर्व संध्या पर मंगलवार को यूक्रेन वासियों में मास्को के हमले का डर दिखा। इस बात को लेकर चिंता बढ़ गई है कि रूस विशिष्ट सरकारी और नागरिक लक्ष्यों को छुट्टी के दिन निशाना बना सकता है। अमेरिका के कदम से भी इन चिंताओं को बल मिला है। अमेरिका के कीव स्थित दूतावास ने एक सुरक्षा अलर्ट जारी किया है। इस अलर्ट में कहा गया है कि इस बात की जानकारी है कि रूस आने वाले दिनों में यूक्रेन के असैन्य आधारभूत ढांचे और सरकारी सुविधाओं के खिलाफ हमले शुरू करने के प्रयासों को आगे बढ़ा रहा है।सप्ताहांत यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को भावी खतरे का आभास हो गया था। इसके पहले उन्होंने अपने दैनिक संबोधन में कहा था कि ''हमें इस बात से अवगत होना चाहिए कि इस सप्ताह रूस कुछ विशेष रूप से खराब और कुछ विशेष रूप से क्रूर कार्रवाई करने की कोशिश कर सकता है।'' यह चेतावनी रूस के इस दावे के बाद आई है कि यूक्रेन की खुफिया एजेंसी कार बम विस्फोट के लिए जिम्मेदार थी, जिसमें सप्ताहांत एक प्रमुख दक्षिणपंथी रूसी राजनीतिक विचारक की बेटी की मौत हो गई थी। हालांकि, यूक्रेन ने इस हमले में शामिल होने से इनकार किया था। इस हमले में एक राष्ट्रवादी रूसी टीवी चैनल की 29 वर्षीय विश्लेषक डारिया डुगिन की मौत हो गई था। डारिया की एसयूवी में रिमोट से नियंत्रित विस्फोटक उपकरण के जरिये शनिवार की रात विस्फोट किया गया था। इस हमले के वक्त डारिया मॉस्को के बाहरी इलाके में गाड़ी चला रही थीं। दक्षिण-पूर्वी यूक्रेन स्थित यूरोप के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा संयंत्र जापोरिज्ज्या में व्यापक हमले का भय व्याप्त है। इस क्षेत्र में लगातार गोलाबारी और लड़ाई ने परमाणु युद्ध की आशंका पैदा कर दी है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने सोमवार देर रात परमाणु खतरे के बारे में चेतावनी दी, खासकर जब से रूस ने युद्ध की शुरुआत में अपने बड़े परमाणु शस्त्रागार की ओर इशारा किया। मौत और विनाश के बीच उम्मीद की एक किरण दिख रही है। गत फरवरी में सभी पेशेवर फुटबॉल मैच पर रोक लगा दी गई थी, लेकिन कीव में मंगलवार से एक नया लीग सीजन शुरू हो रहा है।

ब्रिटेन की प्रधानमंत्री बनी तो परमाणु युद्ध के लिए भी तैयार हैं: लिज ट्रस

- लिज ने कहा, ये कोई विकल्प नहीं होगा, बल्कि प्रधानमंत्री की ड्यूटी होगी

लंदन (एजेंसी)।

ब्रिटेन की प्रधानमंत्री बनने की दौड़ में आगे चल रहीं लिज़ ट्रस ने अब बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अगर वह पीएम बनती हैं तो परमाणु युद्ध करने के लिए भी तैयार हैं। लिज़ ट्रस और ऋषि सुनक के बीच टक्कर है लेकिन सर्वे बताते हैं कि लिज प्रधानमंत्री बन सकती हैं। लिज ट्रस ने बर्मिंघम में एनईसी हस्टिंग्स इवेंट में कहा कि अगर जरूरत पड़ती है तो वह न्यूक्लियर बम का बटन दबाने के लिए तैयार हैं। कार्यक्रम के होस्ट जॉन पीनार ने उनसे परमाणु युद्ध से जुड़े फैसले को लेकर सवाल किया। पीनार ने खुद कहा कि अगर उन्हें ऐसा फैसला करना पड़ा तो वह शारीरिक रूप से बीमार महसूस करेंगे लेकिन लिज ट्रस ने इसके विपरीत बिना किसी इमोशन के कहा कि वह न्यूक्लियर हमले के आदेश देंगी। लिज ने कहा कि ये कोई विकल्प नहीं होगा, बल्कि प्रधानमंत्री की ड्यूटी होगी। उन्होंने आगे कहा कि मैं ऐसा करने के लिए हमेशा तैयार रहूंगी। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक ट्राइडेंट मिसाइल सिस्टम का लक्ष्य देश के लिए सबसे बड़े खतरे को रोकना है। लिज ट्रस का बयान एक ऐसे समय में आया है जब रूस ने यूक्रेन पर हमला कर दिया है और अब पूरे यूरोप में डर बना हुआ है। व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ खड़े होने के अपने इरादों को भी लिज ट्रस साफ कर चुकी हैं। फरवरी में यूक्रेन पर हमले के बाद से ही ब्रिटेन के परमाणु बम हाई अलर्ट पर हैं। ऋषि सुनक ब्रिटेन के वित्त मंत्री रह चुके हैं, लेकिन अगर वह प्रधानमंत्री नहीं बनते तो क्या लिज ट्रस की सरकार में काम करेंगे? इसे लेकर उन्होंने संकेत दिया है कि वह लिज की सरकार में नहीं रहेंगे।

भारत ने चीन को आतंकवाद पर 'दोहरे मापदंड' अपनाने को लेकर आगाह किया

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

चीन पर प्रत्यक्ष तौर पर निशाना साधते हुए भारत ने आतंकवाद से लड़ने के मुद्दे पर किसी ''दोहरे मापदंड'' को लेकर आगाह किया और कहा कि यथास्थिति बदलने की कोशिश करने वाली कोई भी ''बलपूर्वक या एकतरफा'' कार्रवाई साझा सुरक्षा के सिद्धांत का उल्लंघन है। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने सोमवार को 'संवाद एवं सहयोग के जरिये साझा सुरक्षा को बढ़ावा देने' के विषय पर आयोजित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि सभी देशों को एक-दूसरे की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और अंतरराष्ट्रीय समझौतों का सम्मान करना चाहिए।

यूएनएससी की यह बैठक चीन की ओर से बुलाई गई थी, जो अगस्त के लिए सुरक्षा परिषद का अध्यक्ष है और 15 सदस्यीय परिषद में उसके पास वीटो का अधिकार है। कंबोज ने चीन और उसके करीबी सहयोगी पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए कहा, ''साझा सुरक्षा तभी संभव है, जब सभी देश आतंकवाद जैसे साझा खतरों के खिलाफ एक साथ खड़े हों और दोहरे मापदंड न अपनाएं।'' उन्होंने क्षेत्र में चीन के आक्रामक रुख को लेकर भी उस पर निशाना साधा। कंबोज ने कहा, ''यथास्थिति बदलने की कोशिश करने वाली कोई भी बलपूर्वक या एकतरफा कार्रवाई साझा सुरक्षा का उल्लंघन है।

साझा सुरक्षा तभी संभव है, जब देश एक-दूसरे की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करें, जैसे कि वे अपनी संप्रभुता का सम्मान किए जाने की उम्मीद करते हैं।'' कंबोज ने कहा, ''साझा सुरक्षा तभी संभव है, जब देश दूसरों के साथ किए गए द्विपक्षीय या बहुपक्षीय समझौतों का सम्मान करें और एकतरफा कदम न उठाएं।'' इस टिप्पणी से उनका इशारा चीन द्वारा 2020 में पूर्वी लद्दाख में सैनिकों का जमावड़ा कर सीमा समझौतों का उल्लंघन करने की घटना की ओर माना जा रहा है।

चीन की सबसे बड़ी नदी सूखी तो अंदर से निकली 600 साल पुरानी भगवान बुद्ध की प्रतिमा

बीजिंग। (एजेंसी)।

तापमान में होते इजाफे और छह दशकों में चीन की सबसे शुष्क गर्मी के बीच यांग्त्ज़ी नदी का जल स्तर गिर गया है। जिससे चीन के दक्षिण पश्चिमी शहर चोंगकिंग में एक जलमग्न द्वीप और एक प्राचीन ज्ञान परंपरा का ऐतिहासिक प्रमाण बौद्ध मूर्तियों का खुलासा हुआ है। जिसे लगभग 600 साल पहले का माना जा रहा है। तीन मूर्तियाँ, जिनमें से सबसे बड़ी कमल के मंच पर बैठे एक भिक्षु को दर्शाती है, दक्षिणी शहर चोंगकिंग के पास सामने आई। रॉयटर्स समाचार एजेंसी की एक रिपोर्ट के अनुसार को एक प्रमुख रॉक आउटक्रॉप में उकेरा गया है, जो फोयलियांग द्वीप रीफ के ऊपर स्थित है।

कहा जा रहा है कि ये मिंग और किंग राजवंशों के समय में बनाई गई होंगी। यांग्त्ज़ी, एशिया की सबसे लंबी और दुनिया की तीसरी सबसे लंबी नदी, 1865 में रिकॉर्ड शुरू होने के बाद से वर्ष के इस समय के लिए अपने सबसे निचले स्तर पर बताई गई है। कुछ आवश्यक शिपिंग मार्गों को बंद करते हुए पूरे खंड और दर्जनों सहायक नदियाँ पूरी तरह सूख गई हैं। 400 मिलियन से अधिक चीनी लोगों के लिए पीने के पानी का स्रोत यांग्त्ज़ी देश की अर्थव्यवस्था के लिए एक प्रमुख चालक है। इनमें से एक मूर्ती पर बुद्ध कमल पर बैठे दिखाई दे रहे हैं। चीन के दक्षिणी क्षेत्रों में चल रही हीटवेव और साथ में सूखे ने देश की दो सबसे बड़ी मीठे पानी की झीलों के जल स्तर को बेहद कम कर दिया है। सबसे बड़ी झील पोयांग में पानी कथित तौर पर 75 प्रतिशत नीचे है, जो 1951 के बाद का सबसे निचला स्तर है। चान के राज्य के स्वामित्व वाले ब्रॉडकास्टर सीसीटीवी के अनुसार, चोंगकिंग नगर पालिका में 34 काउंटियों में कम से कम 66 नदियाँ सूख गई हैं।

सार समाचार

ब्रह्मोस मिसफायर मामले में बर्खास्त किए गए वायुसेना के 3 ऑफिसर

नई दिल्ली । मार्च 2022 में गलती से एक ब्रह्मोस मिसाइल पाकिस्तान की ओर जा गिरी थी। इस घटना के बाद रक्षा मंत्रायल ने स्पष्टीकरण जारी किया था यह एक दुर्घटना थी। इस मामले की उच्चस्तरीय जांच का आदेश दिया गया था। अब लगभग चार महीने बाद कार्रवाई करते हुए वायुसेना के तीन अधिकारियों को बर्खास्त किया गया है। वायु सेना के तीन अधिकारियों को नौ मार्च को दुर्घटनावश ब्रह्मोस मिसाइल दागे जाने की घटना की उच्चस्तरीय जांच में जिम्मेदार ठहराया गया। इसके बाद कोर्ट ऑफ इंक्वायरी (सीओए) में जिम्मेदार ठहराए गए भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के 3 अधिकारियों की सेवाएं समाप्त कर दी गईं। एक आधिकारिक बयान के अनुसार कोर्ट ऑफ इंक्वायरी (सीओए) ने इस घटना की जांच में पाया कि तीन अधिकारियों ने मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का पालन नहीं किया। इन तीन अधिकारियों को घटना के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार ठहराया गया है। केंद्र सरकार ने उनकी सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी हैं। अधिकारियों को 23 अगस्त को बर्खास्तगी के आदेश दे दिए गए हैं। वायुसेना ने हालांकि उन अधिकारियों के रैंक और नामों का जिक्र नहीं किया है जिन्हें बर्खास्त किया गया है। समझा जाता है कि बर्खास्त अधिकारियों में एक ग्रुप कैप्टन हैं।

कठुआ में पेड़ से लटका मिला भाजपा नेता का शव, परिवार ने कहा साजिशन की गई हत्या

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले के हीरानगर इलाके में मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक नेता का शव रहस्यमय परिस्थितियों में पेड़ से लटका मिला है। मृतक की पहचान सोम राज के रूप में की गई है। अधिकारियों के अनुसार हीरानगर कस्बे के एक ग्रामीण ने सुबह भाजपा नेता का शव पेड़ से लटका देखा। इसके बाद उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। अधिकारियों ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। शरीर पर खून के निशान मिले हैं। बताया जाता है कि सोम राज पिछले तीन दिनों से लापता था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हालांकि, सोम राज के परिवार ने आरोप लगाया है कि उनकी हत्या की गई है। उन्होंने सरकार से उन्हें न्याय दिलाने की मांग की है। सोम राज के घर पहुंचे भाजपा के कई नेताओं ने उनकी मौत के मामले में जांच की मांग की है।

बंगाल में दुर्गा पूजा कमेटियों को सीएम ममता के ग्रांट का विरोध, हाईकोर्ट में मामला दायर

नई दिल्ली । कलकत्ता उच्च न्यायालय ने राज्य में 43,000 दुर्गा पूजा समितियों को 60,000 रुपये देने के राज्य सरकार के फैसले को चुनौती देने वाली एक जनहित याचिका पर सुनवाई के लिए स्वीकार किया। बुधवार को मुख्य न्यायाधीश प्रकाश श्रीवास्तव और न्यायमूर्ति राजेश भारद्वाज की खंडपीठ ने याचिकाकर्ता और राष्ट्रवादी वकील परिषद की वकील प्रमिता डेका को पूजा समितियों को 60,000 रुपये दान करने के राज्य के फैसले के खिलाफ जनहित याचिका दायर करने की अनुमति दी। मामले की सुनवाई शुक्रवार को होने की संभावना है। याचिकाकर्ता की ओर से बुधवार को मामले की शीघ्र सुनवाई के लिए हाईकोर्ट में अनुरोध किया गया था। पिछले सोमवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य में दुर्गा पूजा समितियों को 60,000 रुपये से 63,000 रुपये का सरकारी अनुदान देने की घोषणा की। पिछले दो वर्षों में राज्य द्वारा पूजा समितियों को दिया गया अनुदान 50,000 रुपये था। इस बार मुख्यमंत्री ने कहा कि 60 हजार रुपये के अनुदान के अलावा समितियों को बिजली बिल में भी छूट मिलेगी। उन्होंने सीईएसई और राज्य विद्युत वितरण बोर्ड से पूजा समितियों को बिजली बिलों पर 60 प्रतिशत छूट देने का भी अनुरोध किया। मुख्यमंत्री के इस फैसले को लेकर बीजेपी समेत विपक्षी दल पहले ही सवाल उठा चुके हैं।

अवैध शस्त्र रखने के आरोप में संघ पर दर्ज होगा मुकदमा

- 28 दिन के अंदर कार्रवाई करने के न्यायालय ने दिए निर्देश

नागपुर । जिला एवं सत्र न्यायाधीश नागपुर ने कोतवाली पुलिस नागपुर को 28 दिन के अंदर अवैध शस्त्र रखने के मामले में रिपोर्ट दर्ज कर,कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं। यह पहला मौका है जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खिलाफ अवैध शस्त्र रखने का कोई मामला दर्ज होने जा रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मोहितन जबलपुरे ने 2018 में कोतवाली पुलिस नागपुर के यहां अवैध शस्त्र रखने,शस्त्रों की पूजा करने तथा शस्त्रों का प्रदर्शन करने की शिकायत दर्ज कराई थी ।पुलिस ने इस शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की। फलस्वरुप शिकायतकर्ता ने न्यायालय में मामला दर्ज कराया था। जिला न्यायालय द्वारा 2018 में नागपुर पुलिस से जवाब मांगा था। पुलिस ने अभी तक कोई जवाब न्यायालय में प्रस्तुत नहीं किया, नाही कोई कार्रवाई की। इस पर शिकायतकर्ता ने पुनः न्यायालय की शरण ली।

याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया था

विजयालक्ष्मी पर्व पर संघ कार्यालय में शस्त्रों की पूजा होती है। संघ मुख्यालय में कितने शस्त्र हैं, इसकी जानकारी पुलिस एवं जिला प्रशासन के पास नहीं है। शाखाओं में अवैध तरीके से शस्त्रों का अभ्यास कराया जाता है। पथ संचालन और धार्मिक कार्यक्रमों में खुलेआम शस्त्रों का प्रदर्शन किया जाता है।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश नागपुर ने मामले की सुनवाई करते हुए कोतवाली पुलिस नागपुर को 28 दिन के अंदर मामला दर्ज कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। संभवत यह देश का पहला मामला है। जब संघ के खिलाफ कोई मुकदमा अवैध शस्त्र रखने के बारे में दर्ज होगा।

पंजाब के पूर्व मंत्री आशु को 27 अगस्त तक सतर्कता ब्यूरो की हिरासत में भेजा गया

लुधियाना,। पंजाब में लुधियाना की स्थानीय अदालत ने मंगलवार को कथित खाद्यान्न परिवहन निविदा घोटाले के सिलसिले में राज्य के पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता भारत भूषण आशु को 27 अगस्त तक के लिए सतर्कता ब्यूरो की हिरासत में भेज दिया। उन्हें मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सुमित मक्कड़ की अदालत के समक्ष कड़ी सुरक्षा के बीच पेश किया गया। इस मामले के सह आरोपी तेलुराम को भी अदालत ने 25 अगस्त तक के लिए हिरासत में भेज दिया है। अदालत में मामले पर करीब एक घंटे तक चली सुनवाई के दौरान आशु के वकील ने पूरे मुकदमे को '' झूठा और तुच्छ'' करार दिया। उन्होंने कहा कि यह मामला स्पष्ट तौर पर ''कुछ राजनीतिक आकाओं को खुश करने के लिए राजनीतिक बदले और प्रतिद्वंदिता का है।'' पंजाब प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग, राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा, लुधियाना से सांसद रवनीत सिंह बिट्टू, अमृतसर से सांसद गुरजीत सिंह औजला, विधायक परगट सिंह और पार्टी के अन्य नेता सुनवाई के दौरान अदालत परिसर में मौजूद थे। पंजाब के सतर्कता ब्यूरो ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री आशु को सोमवार को गिरफ्तार किया था। मौजूदा समय में कांग्रेस के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष आशु को राज्य सतर्कता ब्यूरो ने पूर्ववर्ती सरकार के दौरान फर्जी वाहन पंजीकरण संख्या के आधार पर खाद्यान्न के परिवहन का ठेका देने और कथित घोटाला करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। आशु पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के दूसरे मंत्री हैं जिन्हें गिरफ्तार किया गया है। इस साल जून में राज्य सतर्कता ब्यूरो ने भ्रष्टचार के आरोप में पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता साधू सिंह धर्मसोत को भीगिरफ्तार किया था।

मिजोरम में एचआईवी-एड्स के मामलों का प्रतिशत देश में सर्वाधिक : अधिकारी

आइजोल, । मिजोरम में एचआईवी-एड्स के मामलों का प्रतिशत राष्ट्रीय औसत से दस गुना अधिक है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मिजोरम देश में एचआईवी-एड्स के सर्वाधिक मामलों वाला राज्य बन गया है,जहां 10.91 लाख की इसकी कुल आबादी के 2.30प्रतिशत लोग संक्रमित है। राज्य में अक्टूबर 1990 में एचआईवी का पहला मामला सामने आया था और तब से अब तक कुल 3,506 लोग इससे जान गवां चुके हैं।

'मिजोरम स्टेट एड्स कंट्रोल सोसाइटी' (एमएसएसीएस) की परियोजना निदेशक डॉ लालथलेंगलियानी ने हाल के एक सर्वेक्षण का हवाला देते हुए कहा कि राज्य में एचआईवी-एड्स की घटनाओं का प्रतिशत राष्ट्रीय औसत से 10 गुना अधिक है। उन्होंने कहा कि अनेक प्रयासों के बावजूद वार्षिक घटना दर कम नहीं हुई। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. आर. लालथंगलियाना की अध्यक्षता में मंगलवार को एक बैठक में वर्तमान परिदृश्य की समीक्षा की गई और इस पर भी विचार विमर्श किया गया कि राज्य में इसे रोकने संबंधी कार्यक्रम में तेजी कैसे लाई जाए। इस दौरान अपने संबोधन में स्वास्थ्य मंत्री ने इस समस्या से निटने के लिए लोगों और संबंद्ध विभागों से मिलकर काम करने की अपील की।

गडकरी ने खराब सड़क निर्माण पर किया कटाक्ष- बार-बार मरमत से नेता, ठेकेदार रहते हैं खुश

– गडकरी ने कहा, नई तकनीकों और सामग्रियों को अपनाकर टिकाऊ सड़कों के निर्माण के लिए समाधान खोजने का समय आ गया है

नई दिल्ली (एजेंसी)।

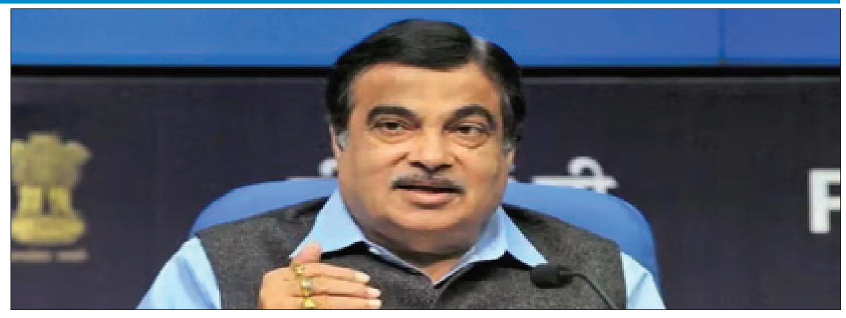

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने निर्माण की खराब गुणवत्ता के कारण सड़कों की बार-बार होने वाली मेंटेनन्स को लेकर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि बार-बार रखरखाव से राजनेताओं, अधिकारियों और ठेकेदारों सहित सभी को बहुत संतुष्टि मिलती है, जिसका कारण सभी को पता है। सूत्रों के मुताबिक फिक्की द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में पहुंचे गडकरी ने कहा कि रखरखाव एक ऐसा विषय है, जो राजनेताओं से लेकर अधिकारियों और ठेकेदारों तक को खुश करता है, बार-बार रखरखाव का काम बहुत संतुष्टि लाता है, हालांकि इसमें जनता ही हारती है, टिकाऊ सड़कों के लिए निर्णय लेने पर ठेकेदार परेशान हो जाते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि वे अपना व्यवसाय खो देंगे। साथ ही निर्माण के बाद सड़कों को बार-बार खोदना शहरों में एक सामान्य बात है।

मंत्री ने आगे कहा कि नई तकनीकों और सामग्रियों को अपनाकर टिकाऊ और रखरखाव मुक्त सड़कों के निर्माण के लिए समाधान खोजने का समय आ गया है। सरफेसिंग के लिए 8 इंच सफेद टॉपिंग और रबरयुक्त बिटुमेन का उपयोग करके सड़कें बनाने की योजना है। ऐसी सड़कें 25 साल तक टिकाऊ हो सकती हैं और उन्हें शायद ही किसी रखरखाव की आवश्यकता होगी। वहीं एक अन्य कार्यक्रम में गडकरी ने यह भी बताया कि कैसे एक बार उन्होंने अधिकारियों को परियोजना स्थलों पर अपना नाम डालने का सुझाव दिया था, ताकि लोगों को पता चल सके कि काम की गुणवत्ता के लिए कौन जिम्मेदार है। गडकरी ने कहा कि एक बार मैंने अधिकारियों को सुझाव दिया था कि उनके नाम प्रदर्शित किए जाने चाहिए। लोग मेरे पुतले ही क्यों जलाएं? लोगों को यह भी पता होना चाहिए कि कौन जिम्मेदार है। गडकरी ने यह भी कहा कि उन्होंने वैकल्पिक ईंधन के साथ पेट्रोल और डीजल से छुटकारा पाने का लक्ष्य रखा है।

4 विभाग मिलकर भी बेरोजगारों को नहीं दिला पा रहे हैं रोजगार

- हर महीने 2 लाख को स्वरोजगार 1 लाख को रोजगार देने का दावा

भोपाल । सरकार बड़ी-बड़ी घोषणाएं करती है। लेकिन उन घोषणाओं पर अमल नहीं होता है। मध्यप्रदेश शासन ने हर महीने 2 लाख युवाओं को स्वरोजगार और 1 लाख युवाओं को रोजगार देने के लिए 4 विभागों को मिलाकर एक योजना बनाई थी। इस योजना में करोड़ों रुपए खर्च भी किए जा रहे हैं। एमएसएमई विभाग की तरफ से 13.65 लाख युवाओं को स्वरोजगार के लिए लोन देने का दावा किया गया है। वही रोजगार विभाग हर महीने रोजगार मेला लगा कर 1 लाख बेरोजगारों को रोजगार देने का दावा कर रहा है। हायर एजुकेशन डिपार्टमेंट और कालेजों द्वारा विश्वविद्यालय और कॉलेज स्तर पर 2.4 लाख मेले और कार्यशाला आयोजित करने का दावा किया जा रहा है। लेकिन कोई भी विभाग नहीं बता पा रहा है, कितने युवाओं को स्वरोजगार मिला, और कितने युवाओं को नौकरी मिली। सरकार के मिले पैसे की होली सभी विभाग मिलकर खेल रहे हैं। हिसाब किताब और प्रमाणिक जानकारी कोई भी देने तैयार नहीं है। उल्लेखनीय है, पिछले 2 साल में प्रदेश के 528 कॉलेज और 16 विश्वविद्यालयों में छात्रों के प्लेसमेंट की जानकारी मांगी गई थी। उसमें सभी ने मेले और कार्यशाला आयोजित करने की बात स्वीकार की है। लेकिन किन छात्रों को रोजगार मिला या स्वरोजगार मिला। यह कोई बताने तैयार नहीं है।

ताशकंद में एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक में शामिल हुए राजनाथ सिंह,

आतंकवाद को बताया वैश्विक शांति के लिए सबसे गंभीर चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)।

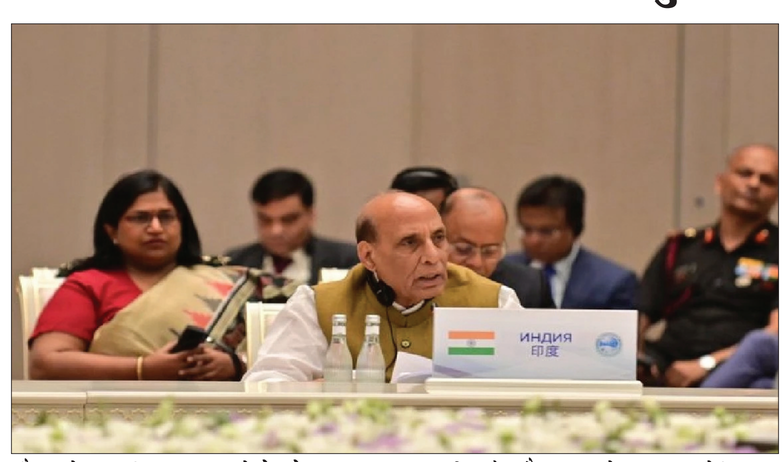

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बुधवार को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों की वार्षिक बैठक में शामिल हुए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा। कि हम एससीओ सदस्य देशों के साथ संयुक्त संस्थागत क्षमताओं को विकसित करना चाहते हैं, जो प्रत्येक देश की संवेदनशीलता का सम्मान करते हुए व्यक्तियों, समाजों और राष्ट्रों के बीच सहयोग की भावना पैदा करते हैं। भारत यूक्रेन और उसके आसपास मानवीय संकट के बारे में चिंतित है। हमने मानवीय सहायता प्रदान करने के लिए संयुक्त राष्ट्र महासचिव, संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों और रेड क्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति (आईसीआरसी) के प्रयासों के लिए अपना समर्थन बढ़ाया है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि आतंकवाद वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक है। भारत सभी प्रकार के आतंकवाद से लड़ने और इस क्षेत्र को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और स्थिर बनाने के अपने संकल्प को दोहराता है। आज ताशकंद में एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक में भाग लिया। सदस्य देशों को एक साथ लड़ने और सभी रूपों में आतंकवाद को खत्म करने का आह्वान किया। यूक्रेन की स्थिति पर भारत की चिंता व्यक्त की। यूक्रेन की स्थिति को बातचीत से सुलझाना चाहिए।

उज़्बेक रक्षा मंत्री के साथ बातचीत के बारे में सिंह ने कहा, ''ताशकंद में उज्बेकिस्तान के रक्षा मंत्री लेफ्टिनेंट जनरल बखोदिर कुर्बानोव के साथ एक बेहतरीन बैठक हुई। अपनी बातचीत के दौरान, हमने भारत-उज्बेकिस्तान रक्षा संबंधों की समीक्षा की। हमारा सहयोग एक ठोस नींव पर आधारित है और यह आने वाले दशकों में बढ़ता रहेगा। बेलारूस के रक्षा मंत्री लेफ्टिनेंट जनरल विक्टर खेनिन के साथ वार्ता में भी द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को बढ़ावा देने के तरीकों पर भी जोर दिया गया। सिंह बुधवार को एससीओ सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों की सालाना बैठक में भाग लेंगे।

देवी-देवताओं पर जेएनयू की उप कुलपति के बयान से भड़के अयोध्या के संत, कहा दर्ज कराएंगे एफआईआर

अयोध्या (एजेंसी)।

भगवान को लेकर जेएनयू की कुलपति शांतिश्री धुलिपुड़ी पंडित के बयान से अयोध्या के संतों में भारी नाराजगी है। अयोध्या के संत समाज ने बयान की निंदा करते हुए उन पर जोरदार हमला बोला है। संतों ने कहा है कि वे इस मसले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे और जेएनयू की कुलपति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने की मांग करेंगे। इतना ही नहीं, संतों ने हिंदुओं से कुलपति के खिलाफ हर जिले में एफआईआर दर्ज कराने की अपील की।

उल्लेखनीय है कि जेएनयू की कुलपति ने कहा था कि देवता उच्च जाति से नहीं हैं और यहां तक कि भगवान शिव भी अनुसूचित जाति या जनजाति से हो सकते हैं। कुलपति शांतिश्री धुलिपुड़ी पंडित के बयान पर हनुमान गढ़ी के महंत राजू दास ने कहा कि समाज की व्यवस्था को सुदृढ़ रखने के लिए समाज में वर्ण व्यवस्था की गई थी, मगर जेएनयू की कुलपति भगवान को भी जातियों में बांट रही हैं। राजू दास ने कहा हम इनके बयान की निंदा और विरोध करते हैं। जेएनयू की कुलपति के खिलाफ अभियोग पंजीकृत कराया जाना चाहिए। हिंदू संगठनों से अपील करते हुए राजू दास ने कहा कि ऐसे लोग जो सनातन धर्म पर लगातार हमला कर रहे हैं, उनके ऊपर हर जिले में एफआईआर दर्ज होनी चाहिए, तभी ये लोग मानेंगे। वहीं, तपस्वी छावनी पीठाधीश्वर जगतगुरु परमहंसाचार्य ने कहा भगवान जाति से ऊपर हैं। परमात्मा सब के हैं। इस तरह की टिप्पणी भगवान शिव के लिए बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जगद्गुरु परामहंसाचार्य ने कहा कि उनको सनातन धर्म की जानकारी नहीं है। पहले चारों वेदों को पढ़ करके उस पर जानकारी लें। कार्रवाई की मांग करते हुए उन्होंने कहा कि अगर कार्रवाई नहीं होती है तो जल्द ही संत समाज प्रधानमंत्री से मुलाकात कर जेएनयू से हटवाने के लिए प्रयास करेंगे।

ज्ञानवापी श्रृंगार गौरी विवाद मामले में दोनों पक्षों की सुनवाई पूरी, 12 सितंबर को फैसला सुनाया जाएगा

बेंगलुरु (एजेंसी)।

ज्ञानवापी श्रृंगार गौरी विवाद मामले में कोर्ट ने 12 सितंबर तक के लिए फैसला सुरक्षित रख लिया है। दोनों पक्षों की सुनवाई पूरी हो गई है। ज्ञानवापी-श्रृंगार गौरी मामले में अब एक नई बात सामने आई है। जिला अदालत में मुस्लिम पक्ष ने दलील दी कि ज्ञानवापी का असली मालिक आलमगीर है। यह तर्क दिया जाता है कि जिस समय मस्जिद बन रही थी उस समय मुगल शासक औरंगजेब शासन कर रहा था। इस संपत्ति पर औरंगजेब का नाम आलमगीर के रूप में भी दर्ज है। अदालत में दो घंटे की सुनवाई के दौरान मुस्लिम पक्ष ने अपनी दलीलों में बार-बार मुगल शासक औरंगजेब का जिक्र किया और यह भी कहा कि जिस संपत्ति पर मस्जिद बनी है वह आलमगीर ने दी थी।

अब कोर्ट ने श्रीनगर गौरी ज्ञानवापी मस्जिद विवाद मामले में फैसला 12 सितंबर तक के लिए सुरक्षित रख लिया है। दोनों पक्षों की सुनवाई पूरी हो चुकी है। अब फैसला 12 सितंबर को सुनाया जाएगा। मुस्लिम पक्ष के अधिवक्ता शमीम अहमद ने भी राज्य सरकार का दिनांक 25 फरवरी 1944 का गजट कोर्ट में पेश किया है। उन्होंने दावा किया कि तत्कालीन वक्फ आयुक्त ने वक्फ संपत्तियों की सूची तैयार की थी और ज्ञानवापी का नाम सबसे ऊपर था। इस गजट को पेश करते हुए वकील ने कहा, इस रिपोर्ट के आधार पर ज्ञानवापी को वक्फ संपत्ति के रूप में पंजीकृत किया गया है और सरकार ने इसे राजपत्रित किया है। उन्होंने कहा, वक्फ संपत्ति के लिए जरूरी है कि देने वाला कोई हो।

भारत जोड़ो यात्रा कांग्रेस के लिए बनेगी संजीवनी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस में फिलहाल अध्यक्ष के चुनाव को लेकर रार मची हुई है लेकिन पार्टी की नजर 2024 के लोकसभा चुनाव पर है। भारत जोड़ो यात्रा को पार्टी लोकसभा चुनाव से पहले बड़े जनसंपर्क अभियान के तौर पर देख रही है। यात्रा का मार्ग भी चुनाव को ध्यान में रखते हुए तय किया गया है। पार्टी को उत्तर के मुकाबले चुनाव में दक्षिणी राज्यों से ज्यादा उम्मीद है। यात्रा में तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना शामिल हैं। दरअसल, कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा सबसे ज्यादा समय दक्षिणी राज्यों में गुजारेगी। पूरी यात्रा के दौरान कुल 22 महत्वपूर्ण स्थान चुने गए हैं, इनमें से नौ स्थान दक्षिण में हैं। इसके साथ मध्य प्रदेश और राजस्थान में भी यात्रा काफी लंबा सफर तय करेगी। मध्य प्रदेश, राजस्थान और कर्नाटक में अगले साल विधानसभा चुनाव हैं। हालांकि, यह यात्रा गुजरात और हिमाचल प्रदेश से होकर नहीं गुजरेगी। दक्षिण भारत खासकर तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में लोकसभा की 129 सीट हैं। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस इनमें से सिर्फ 28 सीट मिली थी। जबकि भाजपा 29 सीत जीतने में सफल रही। भाजपा ने अकेले कर्नाटक में 25 सीट जीती थी। ऐसे में कर्नाटक में यात्रा पार्टी के लिए अहम है। क्योंकि कर्नाटक में अगले साल विधानसभा चुनाव भी हैं। इस मुहिम में पार्टी ने सामाजिक संगठनों को भी अपने साथ जोड़ा है। हालांकि यात्रा का समर्थन करने वाले कई संगठन यूपीए सरकार के खिलाफ अन्ना आंदोलन में शामिल रहे हैं। लेकिन इस मुद्दे पर वह साथ हैं। बता दें कि कांग्रेस की यह यात्रा ऐसे वक्त हो रही है जब पार्टी में संगठन चुनाव अंतिम दौर में हैं। पार्टी नेता और कार्यकर्ता राहुल गांधी को एक बार फिर अध्यक्ष पद संभालने की मांग कर रहे हैं।

गरवा के बाद अब दुर्गा पूजा की विदेशों में धूम

नई दिल्ली । विदेशों में गुजरात का गरबा बहुत लोकप्रिय हुआ है। जगह जगह गरबा के आयोजन होते हैं। अब दुर्गा पूजा को लेकर भी विदेशों में जागृति फैल रही है। कोलकाता से दुर्गा प्रतिमाएं एवं दुर्गा पंडाल लगाने वालों की मांग विदेशों से सामने आने लगी है। पहली बार दुर्गा पूजा का पूरा पंडाल तैयार कर अमेरिका के कैलिफोर्निया में भेजा जाएगा। पश्चिम बंगाल के कारीगर वहां जाकर पंडाल को तैयार करेंगे। कैलिफ़ोर्निया में रहने वाले प्रवासी भारतीयों ने एक क्लब बनाया है। इस क्लब में दुर्गा पूजा और पंडाल को लेकर वैसी ही तैयारी की जा रही है। जैसे भारत में होती है।उल्लेखनीय है, अमेरिकन कम्युनिटी सर्वे 2018 के अनुसार अमेरिका में 42 लाख 20 हजार भारतीय रहते हैं। कैलिफोर्निया राज्य में ही लगभग 8.50 लाख भारतीय निवास करते हैं। इनमें बहुतायत में बंगाली समुदाय के नागरिक भी शामिल हैं। दुर्गा पूजा के लिए 800 वर्ग फुट में पंडाल लगाया जा रहा है। इस पंडाल की ऊंचाई 18 फीट होगी। इस पंडाल में 10 फीट की दुर्गा प्रतिमा को स्थापित किया जाएगा।

यह देश के कल्याण से जुड़ा मसला है, मुफ्त की रेवड़ियों पर होनी चाहिए व्यापक चर्चा: जस्टिस रमणा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सर्वोच्च न्यायालय ने राजनीतिक दलों द्वारा चुनाव के पहले की जाने वाली लोक-लुभावन घोषणाओं या मुफ्त की रेवड़ियों पर सुनवाई करते हुए कई अहम टिप्पणियां कीं। शीर्ष अदालत ने कहा कि इस मसले पर चर्चा की जरूरत है, क्योंकि देश के कल्याण का मसला है। देश की शीर्ष अदालत ने कहा कि चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों का जनता से मुफ्त की रेवड़ियों का वादा और वेलफेयर स्कीम के बीच अंतर करने की जरूरत है।

सर्वोच्च अदालत ने सुनवाई के दौरान साफ-साफ कहा कि मुफ्त की रेवड़ियों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) समेत सभी दल एक ही दिख रहे हैं। चीफ जस्टिस एन वी रमन जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस हिमा कोहली की बेंच में कहा कि अगर केंद्र सरकार राज्यों को मुफ्त की रेवड़ियां बांटने के लिए कोई कानून बनाता है, तो क्या इस कानून की समीक्षा हो सकेगी? पिछली सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने कहा था कि मुफ्त की रेवड़ियों और समाज कल्याण की योजनाओं में अंतर करना जरूरी है। देश की अर्थव्यवस्था के लिए इसमें बैलेंस करने की जरूरत है।

शीर्ष अदालत ने मुफ्त योजनाओं के मुद्दे पर तथा इस मामले में न्यायिक हस्तक्षेप पर बयान देने के लिए डीएमके और उसके कुछ नेताओं पर नाराजगी जाहिर की। चीफ जस्टिस रमन की बेंच ने सुनवाई के दौरान कहा इस मुद्दे पर मैं कह सकता हूं कि भाजपा समेत सभी राजनीतिक दल एक ही तरफ हैं। सभी मुफ्त सौगात चाहते हैं। इसलिए हमने एक कोशिश की। पीठ ने कहा कि इसके पीछे मंशा इस मुद्दे पर व्यापक बहस शुरू कराने की है और इस लिहाज से समिति के गठन का विचार किया गया।

बेंच ने कहा हमें देखना होगा कि मुफ्त चीज क्या है और कल्याण योजना क्या है। पीठ ने कहा कि उसे संतुलना बनाना होगा और वह सरकार की किसी नीति या योजना के खिलाफ नहीं है। उसने कहा कुछ ने कहा कि हमें विचार करने का, इन मुद्दों पर ध्यान देने का कोई हक नहीं है। हमें संतुलन बनाना होगा। हम सरकार की किसी नीति के खिलाफ नहीं हैं। हम किसी योजना के खिलाफ नहीं हैं।

सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस रमन ने कहा कि अगर कोई राजनीतिक दल वादा करता है कि चुने जाने पर वह लोगों को विदेश भेजेगा, मुफ्त में बैंकॉक, सिंगापुर की यात्रा कराएगा, तो यह गौर करने वाली बात है। उन्होंने कहा ये घोषणापत्र में किए गए वादे हैं या चुनाव से पहले की गई घोषणाएं यह देखना होगा। अभी चुनाव आयोग के पास शक्तियां नहीं हैं इसे रोकने की, लेकिन चुनाव संहिता शुरू हो जाने के बाद, सब कुछ चुनाव आयोग के नियंत्रण में होगा, तब वह यह नहीं कह सकेगा कि वह इसे नियंत्रित नहीं कर सकता? आम आदमी पार्टी (आप), डीएमके और वाईएसआर कांग्रेस मुफ्त की रेवड़ियों पर रोक की मांग वाली याचिका का विरोध कर रहे हैं। ये दल शीर्ष अदालत में इस योजना के विरोध में दाखिल याचिका के खिलाफ तर्क रख रहे हैं। अदलात वकील अश्विनी उपाध्याय की तरफ से दाखिल एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही है, जिसमें चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा मुफ्त में सुविधाएं प्रदान करने के वादों का विरोध किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने डीएमके के कुछ बयानों को लेकर उसे आड़े हाथ लिया और कहा कि 'बुद्धिमत्ता केवल किसी खास व्यक्ति या पार्टी विशेष के पास ही नहीं होती। चीफ जस्टिस रमन की अध्यक्षता वाली पीठ ने 'तर्कहीन' मुफ्त योजनाओं के खिलाफ दाखिल एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान डीएमके के वकील पी

विल्सन के दलीलें शुरू करते ही पार्टी को फटकार लगाई। विल्सन डीएमके के सांसद भी हैं। चीफ जस्टिस ने कहा विल्सन (डीएमके की ओर से पेश वरिष्ठ वकील पी विल्सन), मुझे यह कहते हुए दुख हो रहा है। मैं बहुत सी बातें कहना चाहता था, लेकिन मैं भारत का प्रधान न्यायाधीश होने के नाते ऐसा नहीं कह रहा हूं। जिस पार्टी और मंत्री के बारे में वह (वकील) बात कर रहे हैं, मुझे नहीं लगता कि बुद्धिमत्ता केवल किसी खास व्यक्ति या पार्टी विशेष से ही जुड़ी होती है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

SMC के एक पूर्व भाजपा नगरपालिका सेवक एक नेता के भाई ने कानून अपने हाथ में लिया दिव्यांग किशोर को पीटा गया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत में कुछ दिनों से सार्वजनिक रूप से मारपीट की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। वकील पर हमले के कुछ ही दिनों के भीतर डिंडोली में केला बेचने वाले एक किशोर को सरेआम बेंत से पीटा गया. सूरत नगर निगम के एक पूर्व भाजपा नगरपालिका सेवक और सत्ताधारी दल के एक नेता के भाई ने कानून अपने हाथ में लिया और दिव्यांग किशोर को सार्वजनिक रूप से कोड़े मारे। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद डिंडोली पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच की।

डंडावाली के डिंडोली क्षेत्र के ओमनगर में एक किशोर लॉरी चलाकर सार्वजनिक सड़क पर केला बेच रहा था. इसी बीच सूरत नगर निगम के पूर्व सत्तारूढ़ दल के नेता दया शंकर सिंह के भाई कृपाशंकर हाथ में लाठी लेकर वहां पहुंच गए. उसके बाद केला बेचने वाले किशोर को वहां से दूर रहने को कहा और उस पर डंडे से हमला कर दिया. एक के बाद एक युवक को डंडे से मारा, जिससे आसपास के लोग भी दंग रह गए.

वीडियो वायरल हुआ स्थानीय लोगों द्वारा एक सामान्य लॉरीमैन और वह भी एक विकलांग व्यक्ति को डंडे से पीटने की घटना के संबंध में एक वीडियो मोबाइल फोन पर पूर्व नगरपालिका सेवक दयाशंकर सिंह के भाई कृपाशंकर द्वारा लिया गया था, जिसके कारण यह वीडियो वायरल हो गया सामाजिक मीडिया। डिंडोली पुलिस ने पूरी घटना को लेकर मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है।

सूरत बार एसोसिएशन ने युवा वकील पर हमले का विरोध करते हुए कोर्ट से लेकर कलेक्ट्रेट तक एक विशाल रैली निकाली.

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के सरथाना इलाके में युवा वकील मेहुल बोगरा पर टीआरबी के सुपरवाइजर साजन भरवाड़ ने जानलेवा हमला किया था. हमले के विरोध में सूरत बार एसोसिएशन की ओर से आज एक विशाल रैली का आयोजन किया गया. अदालत से लेकर जिला कलेक्टर कार्यालय तक बड़ी संख्या में रैलियों में वकीलों ने नारेबाजी की और नारेबाजी की. हाय रे साजन ही और वकील एकता जिंदाबाद के नारे लगे

जिला कलेक्टर कार्यालय द्वारा कलेक्टर को आवेदन पत्र दिये जाने से पहले वकीलों ने छजिया को ले लिया . वकीलों ने वकील एकता जिंदाबाद और हमसे जो तकरेगा मिट्टी की जा रही है। इसलिए हम टीआरबी के जवानों द्वारा किए गए क्रूर हमले की निंदा हमला किया गया था , टीआरबी और ट्रैफिक पुलिस द्वारा भ्रष्टाचार और मेहुल जिसके चलते मेहुल बोगरा को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इस मामले में मेहुल

में मिल जाए गाना के नारों के साथ अपनी एकजुटता दिखाई। कहा गया कि एक युवा वकील द्वारा भ्रष्टाचार को बेनकाब करने की कार्रवाई करते हैं। साजन भारवाड़ के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

सूरत के सरथाना जकातनाका इलाके में मेहुल बोगरा पर बोगरा द्वारा तोड़फोड़ का लाइव वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसी बीच साजन भारवाड़ ने मेहुल गोगरा पर डंडे से हमला कर दिया। बोगरा के खिलाफ अत्याचार का मामला दर्ज किया गया था जबकि साजन भारवाड़ पर धारा 307 के तहत मामला दर्ज किया गया था.

सुरत में कॉलेज के छात्रों के मारपीट में पिता-पुत्र पर हमला

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के वेसुनी अग्रवाल विद्याविहार कॉलेज के दो छात्रों के बीच हुई मारपीट में एक दोस्त को बचाने की जद्दोजहद शुरू हो गई है. पिता और पुत्र वेसु में सुलह करने गए, जहां ५ छात्रों सहित भीड़ ने पैडल-ब्लेड से उन पर घातक हमला किया। पिता-पुत्र घायल हो गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। पिता मौके पर ही बेहोश हो गए।

लड़ाई की असली वजह सामने नहीं आई है.पुलिस ने निखिलगिरी, शिवम राजपूत, अमन राजपूत, कमल झा और चंद्रेश के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है. फिलहाल पुलिस ने कमल झा समेत ३ को गिरफ्तार किया है। छात्र ने मारपीट के कारणों के बारे में कुछ भी कहने से

इनकार कर दिया। पुलिस को भी मारपीट की असली वजह समझ में नहीं आई।

बामरोली रोड हरिधाम सोसाइटी में रहने वाले ४९ वर्षीय शंभू सिंह राठौर, जो कंस्ट्रक्शन और बिजली की दुकान चलाता है, को उसके बेटे ने २२ तारीख को फोन पर बताया कि मेरे दोस्त निशांत में झगड़ा हो गया था. कॉलेज, जिसमें मेरे बीच-बचाव करने पर छात्रों ने मेरे साथ मारपीट की। जब पिता-पुत्र छात्रों के बीच मध्यस्थता करने आगम शॉपिंग वर्ल्ड गए तो उन पर डंडों और डंडों से हमला किया गया। शंभू सिंह के सिर के बीचोंबीच और सूरजपाल के कान के पास सिर में वार किया गया। वहीं शंभू सिंह बेहोश हो गया था।

इससे पहले कि मेरे पिता कुछ कहते, घायल छात्र सूरजपाल ने कहा कि मैं स्ङ्घक्क में हूं, मेरे दोस्त निशांत पटेल को कमल झा और उसके दोस्तों द्वारा गेट के पास पीटा जा रहा था। मेरे बीच में गिरते ही वे मुझ पर गिर पड़े। कॉलेज स्टाफ ने मुझे बचा लिया। कमल ने प्राचार्य कार्यालय में माफीनामा लिखा। मैं और पापा वेसु आगम शॉपिंग की दुनिया में बसने गए थे। इससे पहले कि मेरे पिता कुछ बोल पाते, छात्रों की भीड़ हथियारों से टूट गई।

सूरत में चल रहे दो कारोबारों में रेड स्पा की मालिक समेत तीन महिलाएं गिरफ्तार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के फलते-फूलते देह व्यापार के धंधे पर छापेमारी की जा रही है. उस समय, अडजान के मार्वेला व्यवसाय से पहले चल रहे देह व्यापार व्यवसाय पर छापेमारी के दौरान पुलिस ने तीन महिलाओं को उठाया था। मैनेजर को भी गिरफ्तार कर लिया गया है।

पुलिस ने छापेमारी की छापेमारी अदजान थाने में एक स्पा के नाम से चल रहे एक धंधे पर की गई पुलिस को मिली जानकारी के आधार पर दुकान के मालिक का नाम आदर्श मसाज पार्लर है बिजनेस हब की पहली मंजिल पर, दुकान नं। साथ ही, तीन भारतीय महिलाओं को ग्राहक के रूप में दुकान में रखा गया और उन्हें शारीरिक सुख का आनंद लेने के लिए आमंत्रित किया गया। देह व्यापार के धंधे के नाम पर ९००० नकद बरामद छापेमारी के दौरान पुलिस को नौ हजार का माल बरामद हुआ और मैनेजर को गिरफ्तार कर लिया गया. दुकान का असली मालिक पकड़ा नहीं गया है और उसे वांछित घोषित कर दिया गया है। इसके साथ ही काम में मौजूद तीन भारतीय महिलाओं को रिहा कर दिया गया है और आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई है.